कार्तिक शुक्ल पक्ष -5, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 127 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
14 नवंबर 2026 शनिवार

आज का मौसम
31.9 अधिकतम
12.2 न्यूनतम


Page-7

न्यूज विंडो

अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान की तेज शुरुआत



अल अमीरात। अंडर-19 एशिया कप का फाइनल आज भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जा रहा है। ओमान के अल अमीरात क्रिकेट ग्राउंड पर पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी है। टीम ने 17 ओवर के बाद एक विकेट पर 127 रन बना लिया है। उस्मान खान अर्धशतक लगाकर क्रीज पर हैं। दोनों टीमें इस टूर्नामेंट में पहले भी भिड़ चुकी हैं। ग्रुप स्टेज के उस मैच में पाकिस्तान ने भारत को 3 विकेट से हराया था।

हर्षा ने साइबर क्राइम में की शिकायत एआई से बदनाम करने का आरोप



भोपाल। प्रयागराज कुंभ मेले के दौरान चर्चा में आईं साध्वी हर्षा रिछारिया ने भोपाल स्थित साइबर क्राइम कार्यालय पहुंचकर सोशल मीडिया पर कथित ऑनलाइन उत्पीड़न के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर उनके बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही हैं। साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बनाई गईं फर्जी तस्वीरें और वीडियो प्रसारित कर उनकी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। रिछारिया ने कहा कि समाज में किसी लड़की के चरित्र पर टिप्पणी करना और उसे बदनाम करना आसान हो गया है।

साबरमती अग्निकांड... जांच अधिकारी ने सोनिया गांधी के दावों को कहा झूठा



नई दिल्ली। सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' जारी होने के बाद से ही चर्चाओं में बनी हुई है। अब गुजरात दंगों को लेकर सोनिया गांधी की टिप्पणी पर भी विवाद हो गया है। दरअसल सोनिया ने अपनी किताब में दावा किया है कि साबरमती एक्सप्रेस की बोगियों में आग लगने की वजह अभी भी विवादित है। जिसके बाद गुजरात में दंगे भड़क उठे थे। हालांकि साबरमती की जांच करने वाली एसआईटी के प्रमुख रहे पुलिस अधिकारी राकेश अस्थाना ने इस दावे को खारिज कर दिया है। अस्थाना ने कहा कि मामले में जांच पूरी हो चुकी है, दोषियों को सजा भी मिल चुकी है।

आईफोन-बाइक के लिए 13 साल की लड़की ने किया नाना का मर्डर

कोच्चि। केरलम के करुवट्टा में 13 साल की एक लड़की ने अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर अपने नाना की हत्या को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि ऐसा उसने अपने लिए एक आईफोन और अपने दोस्त के लिए एक मोटरसाइकिल खरीदने के लिए पैसे जुटाने के मकसद से किया था। जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (जेजेबी) में पुलिस द्वारा दाखिल 740 पन्नों की चार्जशीट के अनुसार मामले में चार नाबालिगों को आरोपी बनाया गया है। इनमें से दो की उम्र 17 साल, एक की 16 साल और लड़की की उम्र 13 साल है। पुलिस ने इसे एक दुर्लभ मामला बताया है क्योंकि चारों की उम्र 18 साल से कम है।

9/11 के बाद दूसरी बार... देशभर में हवाई यातायात ठप

अमेरिका में एयर इमरजेंसी... 8 हजार फ्लाइट्स कैंसिल, 15 लाख यात्री फंसे

न्यू जर्सी, एजेंसी

अमेरिका में एयर ट्रैफिक कंट्रोल के कम्युनिकेशन सिस्टम में खराबी के कारण शुक्रवार को 4 घंटे से ज्यादा समय तक विमानों की उड़ानें रोकनी पड़ीं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन, यानी FAA ने सुरक्षा कारणों से देशभर के एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स रोकने का आदेश दिया था। इस दौरान 8,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और करीब 15 लाख यात्री प्रभावित हुए। देर रात उड़ानों पर लगी रोक हटा दी गई, लेकिन आज भी बड़ी संख्या में फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ीं।11 सितंबर 2001 के आतंकी हमले (9/11) के बाद यह दूसरी बार है, जब अमेरिका में सभी उड़ानें रोकी गईं। इससे पहले जनवरी 2023 में FAA के मुख्य कंप्यूटर सिस्टम में खराबी के कारण ऐसा हुआ था। सिस्टम में खराबी के दौरान जो विमान पहले से हवा में थे, उन्हें लैंड करने की अनुमति दी गई लेकिन खड़े विमानों को तक ऑफ की अनुमति नहीं दी गई ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देश के एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम को आधुनिक बनाने के लिए 30 अरब डॉलर की अतिरिक्त फंडिंग मांगी है। उन्होंने रिपब्लिकन सीनेटर एरिक श्मिट से फोन पर बात कर कांग्रेस से इस फंडिंग से जुड़ा बिल जल्द पास कराने को कहा। इस रकम से एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम, एयरपोर्ट टावर, टर्मिनल और दूसरे जरूरी विमानन ढांचे को अपग्रेड किया जाएगा।

उड़ानों पर लगी रोक हटाने के बावजूद कुछ कंपनियों ने देरी और उड़ानें रद्द होने की आशंका जताई है। डेल्टा एयरलाइंस ने सभी तय उड़ानें फिर शुरू कर दी हैं। यात्रियों को ऐप या वेबसाइट पर फ्लाइट स्टेटस देखने की सलाह दी है। वहीं यूनाइटेड एयरलाइंस ने भी सेवाएं बहाल करना शुरू कर दिया है। यात्री ट्रैवल छूट के तहत टिकट की तारीख बदल सकते हैं। फ्रंटियर एयरलाइंस उड़ानों को सामान्य करने में जुटी है। यात्रियों से ईमेल और फ्लाइट स्टेटस चेक करने को कहा है।

कंट्रोल सिस्टम ठीक करने के लिए लगेंगे 30 अरब डॉलर



साइबर अटैक का संकेत नहीं

अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी मंत्री मार्कवेन मुलिन ने कहा कि एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में आई खराबी के पीछे फिलहाल किसी साइबर हमले के संकेत नहीं मिले हैं। व्हाइट हाउस में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में यह टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम में आई तकनीकी खराबी लग रही है। हालांकि, अधिकारी अभी इसकी असली वजह का पता नहीं लगा पाए हैं। मुलिन ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही साफ हो सकेगा कि कम्युनिकेशन सिस्टम में गड़बड़ी कैसे हुई।

देश के इतिहास में तीसरी बार

अमेरिका में हाल के इतिहास में यह तीसरी बार है, जब देशभर में उड़ानों पर रोक लगाई गई है। 11 सितंबर 2001 को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर आतंकी हमले के बाद सभी विमानों को जमीन पर उतारने का आदेश दिया गया था। इसके बाद 11 जनवरी 2023 को स्व के कंप्यूटर सिस्टम में खराबी के कारण देशभर में उड़ानें प्रभावित हुई थीं। उस समय पायलटों को उड़ान के दौरान सुरक्षा से जुड़ी चेतावनी देने वाला सिस्टम ठप हो गया था। इस वजह से करीब 90 मिनट तक उड़ानें प्रभावित रहीं। सितंबर में भी अमेरिका के नॉर्थईस्ट इलाके में कम्युनिकेशन सिस्टम फेल हुआ था।

शिकागो से शुरू हुई उड़ानों पर रोक

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका में अचानक सभी उड़ानों पर रोक नहीं लगाई गई थी। इसकी शुरुआत शिकागो के ओ'हेयर और मिडवे एयरपोर्ट से हुई। यहां कम्युनिकेशन सिस्टम में दिक्कत आने के बाद उड़ानों को रोका गया। बाद में जब यह समस्या देश के दूसरे एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटरों तक पहुंची, तो पूरे अमेरिका में ग्राउंड स्टॉप लगा दिया गया। FAA अधिकारी जांच कर रहे हैं कि कम्युनिकेशन में आई खराबी का संबंध नए AI सिस्टम से तो नहीं है। यह सिस्टम एयर ट्रैफिक कंट्रोल को संभावित समस्याओं की पहचान करने और विमानों का रूट बदलने के सुझाव देता है। अमेरिकी सरकार एयर ट्रैफिक कंट्रोल की पुरानी तकनीक बदल रही है। इसके लिए पुराने तारों की जगह फाइबर ऑप्टिक केबल लगाई जा रही हैं और रेडियो सिस्टम भी बदले जा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के लिए पिछले साल 12.5 अरब डॉलर मंजूर किए गए थे। हालांकि, अभी काफी काम बाकी है।

जनजातीय गौरव दिवस.. जबलपुर से 3 दिनी समारोह की हुई शुरुआत

■ राज्यपाल और सीएम हुए शामिल, 3 शहरों में होंगे आयोजन

जबलपुर, दोपहर मेट्रो। प्रदेश में आज से 3 दिवसीय राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह आयोजित किया जा रहा है। क्रांतिकारी बिरसा मुंडा की जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रमों की शुरुआत आज जबलपुर से हुई। 15 नवंबर को धार और 16 नवंबर को खंडवा में आयोजन होंगे। इस दौरान जनजातीय संस्कृति, परंपरा, लोककला और स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान को प्रदर्शित किया जाएगा।उद्घाटन समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए।



महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप...

सीबीआई की 6 राज्यों में 33 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीआई ने महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप के पैनल ऑपरेटरों के खिलाफ 6 राज्यों में 33 ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान कई जगहों पर चल रहे ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के पैनल पकड़े गए और बंद कराए गए। जांच एजेंसी ने मोबाइल फोन, डिजिटल डिवाइस और दस्तावेज जब्त किए हैं। सीबीआई के मुताबिक, ऐप के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को ओमान से प्रत्यर्पित कर 1 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। 12 नवंबर को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जो 19 नवंबर तक रहेगी।

दिल्ली से छतरपुर आ रही एसी बस में लगी आग, 40 यात्रियों ने भागकर बचाई जान

मथुरा, एजेंसी। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर देर रात डेढ़ बजे चलती डबल डेकर एसी बस में आग लग गई। देखते ही देखते पूरी बस से 20 फीट ऊंची लपटें उठने लगीं। समय रहते बस में सवार सभी 40 यात्रियों ने भागकर जान बचाई। फायर ब्रिगेड ने डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक बस और उसमें रखा पूरा सामान पूरी तरह जल चुका था। बस की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। खजुराहो ट्रैवल्स की बस दिल्ली से मध्य प्रदेश के छतरपुर आ रही थी। इसी दौरान राया थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे के राया कट पुल पर बस में आग लग गई। बस में सवार यात्रियों के मुताबिक, हादसे के वक्त ज्यादातर लोग सो रहे थे। इसके बाद आनन-फानन में सभी बस से नीचे उतरे, लेकिन सबका सामान बस में छूट गया।



मौसम में बदलाव

कश्मीर और हिमाचल में बर्फबारी एमपी में कल से बढ़ेगी सर्दी



हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में बर्फबारी।

श्रीनगर/देहरादून/भोपाल, एजेंसी

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से देश के कुछ हिस्सों में मौसम बदल गया है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में कई जगह बर्फबारी हुई है। कई इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई है। इससे तापमान में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। बड़ी संख्या में टूरिस्ट मनाली पहुंच रहे हैं। इसके चलते चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर ट्रैफिक जाम हो गया। सिक्किम में भारी बर्फबारी के बाद नाथुला, बाबा मंदिर और छांगू झील के पास फंसे 900 से ज्यादा पर्यटकों व स्थानीय लोगों को सेना ने सुरक्षित निकाला।

इधर बर्फबारी का असर मध्य प्रदेश में भी दिखाई दे रहा है। बीती रात भोपाल, इंदौर समेत 20 शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री से नीचे रहा। मौसम केंद्र की मानें तो अगले 5 दिन में न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री और लुढ़केगा। पिछले 10 साल के ट्रेंड पर नजर डालें तो 9 साल नवंबर के दूसरे पखवाड़े में तेज ठंड पड़ी है। इस बार भी कल के बाद प्रदेश में ठंड का असर बढ़ने का अनुमान है। बीती रात कटनी का करौंदी सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। शहडोल के कल्याणपुर में 11.1 और शाजापुर से जुड़े गिरवर में 11.2 डिग्री रहा। इंदौर-दमोह में 11.6 डिग्री, छिंदवाड़ा में 11.8 डिग्री, भोपाल में 12 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

आज का कार्टून



मेट्रो एंकर

पर्यावरण संरक्षण की नई मिसाल, करीब 71.4 प्रतिशत पौधों को मिला नया जीवन

पेड़ कटने से पहले बचाए 27 हजार ऑर्किड, अब खिल रहे फूल

कोझिकोड, एजेंसी

विकास की रफ्तार में अक्सर सबसे पहले पेड़ों और उन पर बसे जीव-जंतुओं की बलि चढ़ती है। सड़क चौड़ी करने के लिए पेड़ काटना जरूरी हो तो क्या उन पर उगने वाले दुर्लभ पौधों को भी मरने के लिए छोड़ दिया जाए? केरल के शोधकर्ताओं ने इस सोच को चुनौती देते हुए ऐसा काम किया है, जो पर्यावरण संरक्षण की नई मिसाल बन रहा है। सड़क निर्माण के कारण कटने वाले पेड़ों पर उगे 27 हजार से ज्यादा दुर्लभ ऑर्किड पौधों को बचाकर दूसरी जगह लगाया गया। खास बात यह है कि दो साल की निगरानी के बाद इनमें से 19,511 पौधे जीवित मिले हैं। कई पौधों में फूल खिले और कुछ में बीज वाली फलियां भी विकसित हुईं।

यह पूरा अभियान केवल पौधों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने तक सीमित नहीं था। शोधकर्ताओं के सामने चुनौती थी कि पेड़ों की छाल और शाखाओं पर प्राकृतिक रूप से उगने वाले इन पौधों को नए वातावरण में कैसे जीवित रखा जाए। इन्हें पर्याप्त नमी, अनुकूल तापमान और सही वातावरण की जरूरत होती है। पेड़ कटने के बाद इनका प्राकृतिक आश्रय भी खत्म हो जाता है।



क्यूआर कोड से पौधों की जानकारी

तीनों स्थानों पर परिणाम अलग-अलग रहे। सरोवरम बायोपार्क में सबसे ज्यादा 87.7 प्रतिशत पौधे जीवित रहे। यहां 17,381 पौधे लगाए गए थे, जिनमें 15,244 बच गए। मालाबार बॉटनिकल गार्डन में 7,601 में से 3,595 और कप्पड़ में 2,342 में से 672 पौधे जीवित रहे। इससे यह भी पता चला कि पौधों को बचाने के लिए केवल स्थान बदलना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनके अनुकूल वातावरण चुनना भी जरूरी है। इस पहल का एक और सकारात्मक पहलू है। सरोवरम बायोपार्क आने वाले पर्यटकों के लिए ऑर्किड प्रजातियों के पास क्यूआर कोड लगाए गए। इन्हें स्कैन करके लोग पौधों की जानकारी हासिल कर सकते हैं। दो साल में 10 प्रजातियों के क्यूआर कोड को 1.26 लाख से ज्यादा बार स्कैन किया गया। केरल के शोधकर्ताओं ने साबित किया है कि समय रहते उठाया गया एक साहसी कदम हजारों बेजुबान पौधों का भविष्य बदल सकता है।

शोधकर्ताओं ने सड़क चौड़ीकरण के दौरान कटने वाले या काटे जाने वाले पेड़ों से 21 प्रजातियों के कुल 27,324 परिपक्व ऑर्किड पौधों को सुरक्षित निकाला। इसके बाद इन्हें केरल के कोझिकोड क्षेत्र के तीन अलग-अलग स्थानों पर लगाया गया।

अक्टूबर 2026 में प्रकाशित शोध अध्ययन के अनुसार, 12 से 24 महीने की निगरानी में 19,511 पौधे जीवित रहे। यानी करीब 71.4 प्रतिशत पौधों को नया जीवन मिल गया। इनमें 5,224 पौधों में फूल खिले, जबकि 1,934 पौधों में बीज वाली फलियां विकसित हुईं। यह इस अभियान की बड़ी सफलता मानी जा रही है, क्योंकि पौधों का जीवित रहना ही नहीं, बल्कि उनका दोबारा फूलना और प्रजनन की प्रक्रिया तक पहुंचना भी जरूरी था।

छठ महापर्व की छटा से सराबोर राजधानी, कल 52 घाटों पर अस्ताचलगामी सूर्य को देंगे अर्घ्य

भोपाल। लोक आस्था, सूर्य उपासना और भोजपुरी संस्कृति का चार दिवसीय महापर्व छठ कल नहाय-खाय की परंपरा के साथ श्रद्धा और उल्लास से शुरू हुआ। पूर्वांचल क्षेत्र के लोगों के घरों में छठी मइया के जयकारे गूंजने लगे हैं। 52 घाटों व अस्थायी जलकुंडों पर पूजा की तैयारियां हो गई हैं। इस वर्ष पर्व में दो लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने का अनुमान है। आज खरना के बाद कल व्रती जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। हथाईखेड़ा डैम पर राजेंद्र प्रसाद भोजपुरी एकता संस्था के छठ महापर्व के आयोजक पुरुषोत्तम सिंह ने बताया कि 15 नवंबर को दोपहर से श्रद्धालुओं का घाटों पर पहुंचना शुरू होगा। व्रती बांस की डलिया में ठेकुआ, ऋतु फल, अक्षत, दीप और धूप सजाकर जल में खड़े होंगे। शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। 16 नवंबर को सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देंगे। इसी के साथ व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास पूरा हो जाएगा।



ठेकुआ बनाने के लिए नि:शुल्क गेहूं पिसाई शुरू

छठ महापर्व पर ठेकुआ सहित पारंपरिक पकवान तैयार करने के लिए भोजपुरी एकता मंच समिति ने नि:शुल्क गेहूं पिसाई की व्यवस्था की है। संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर, कमला पार्क में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जयदीप प्रसाद (आईपीएस), एडीजी (एससीआरबी), मध्य प्रदेश ने आटा चक्की की पूजा-अर्चना कर इस सेवा का शुभारंभ किया। यह सुविधा 14 नवंबर तक जारी रहेगी।



श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग

खटलापुरा घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग की गई है, ताकि व्रती क्रमवार घाट तक पहुंचकर अर्घ्य दे सकें। बरखेड़ा स्थित सरस्वती देवी मंदिर छठ घाट पर सांस्कृतिक परिषद ने पांच पूजा कुंड तैयार किए हैं। यहां 558 से अधिक पूजा वेदिका बनाई गई हैं। श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, चिकित्सा सहायता, स्नानागार और चेंज रूम की व्यवस्था भी की जा रही है। पांच नंबर तालाब और सरयू सरोवर पर भी सफाई एवं सजावट का काम किया गया है।

न्यूज विंडो

मोबाइल हुआ हैंग और बैंक खाते से निकल गए 2.48 लाख रुपए

भोपाल। ईदगाह हिल्स निवासी डेयरी कारोबारी के बैंक खाते से मोबाइल हैंग होने के दौरान 2.48 लाख रुपए निकल गए। शिकायत पर शाहजहांनाबाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। अजय पारदसानी निवासी आशाकुंज ब्राइट कॉलोनी, ईदगाह हिल्स ने शिकायत में बताया कि रात में मोबाइल हैंग हो गया था। इस दौरान उनके आईसीआईसीआई बैंक खाते से दो ट्रांजेक्शन हुए। पहले ट्रांजेक्शन में 1.69 लाख और दूसरे में 78 हजार निकल गए। दोनों ट्रांजेक्शन की रकम 2.48 लाख रुपए है। उन्होंने इन लेन-देन की कोई अनुमति नहीं दी थी। उन्होंने मोबाइल नंबर 9864075310 पर भी संदेह जताया है, जो सुनील कुमार शाह के नाम से बताया गया है।

नौकरी दिलाने के बहाने होटल ले जाकर महिला से किया दुष्कर्म

भोपाल। परवलिया थाना इलाके में एक होटल में हाउसकीपिंग की नौकरी दिलाने का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी गौतम तिवारी को गिरफ्तार किया है। पीड़िता तलैया इलाके में किराये से रहती है और घरों में साफ-सफाई का काम करती है। पति से अलग रहने के दौरान उसकी पहचान करोंद के गौतम से हुई थी। आरोपी ने होटल में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। उसे बातचीत के बहाने होटल ले गया और दुष्कर्म किया।

शराब का आदी था सफाईकर्मी, मरने की बात करता था, लगाया फंदा

भोपाल। कोलार इलाके की सर्वधर्म कॉलोनी में एक सफाईकर्मी ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, सोनू वंशकार पिता श्रवण साफ-सफाई का काम करता था। वह शराब पीने का आदी था। परिजनों के अनुसार, वह पिछले कई दिनों से मरने की बात कह रहा था। इसी बीच उसने घर में फंदा लगा लिया। घरवालों की सूचना पर पुलिस पहुंची। शव को फंदे से उतारकर अस्पताल भेजा। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद मर्ग कायम कर लिया है।

दिन में बिजली जलाने पर 10.47 लाख को 10.30 करोड़ रुपए की छूट

भोपाल। दिन में बिजली का इस्तेमाल करने वाले स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को बिजली बिल में बड़ी राहत मिली है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल और ग्वालियर रीजन के 16 जिलों में अक्टूबर माह के दौरान 10.47 लाख उपभोक्ताओं को टाइम ऑफ डे (टीओडी) टैरिफ के तहत 10.30 करोड़ रुपए की छूट मिली है। इसमें सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली का इस्तेमाल करने पर ऊर्जा प्रभार में 20 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। कंपनी के अनुसार, भोपाल रीजन के 8.38 लाख स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को 7.64 करोड़ की छूट मिली। ग्वालियर रीजन के 2.08 लाख उपभोक्ताओं को 2.65 करोड़ रुपए का लाभ हुआ। टीओडी टैरिफ व्यवस्था में सोलर आवर्स यानी सुबह 9 से शाम 5 बजे तक बिजली जलाने पर उपभोक्ताओं को ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर में 20 प्रतिशत तक छूट मिलती है। यह सुविधा 10 किलोवाट तक स्वीकृत भार या अनुबंधित मांग वाले स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए है।

एमडी ड्रग्स की खेप ले जाने के लिए आईएसबीटी और स्टेशन बने मेन गेट

शहर में नशे का धंधा, 6 माह में 238 किलो मादक पदार्थ जब्त

भोपाल। दोपहर मेट्रो

झीलों के शहर भोपाल में अब नशे की खेप ने चिंता बढ़ा दी है। मादक पदार्थ लगातार राजधानी पहुंच रही है। तस्कर इतने सक्रिय हो गए हैं कि बेंगलुरू, दिल्ली से वे ड्रग्स भोपाल ला रहे हैं। हालांकि डीआरआई की सक्रियता से वे पकड़े भी जा रहे हैं, लेकिन नशे की जद से बचाना प्रशासन के लिए चुनौती से कम नहीं है। 6 माह में ही पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने कार्रवाईकर 238.55 किलो गांजा, एमडी और एम्फेटामाइन जैसी नशीली सामग्री पकड़ी हैं। खास यह है कि यह आंकड़ा सिर्फ सामने आई और रिपोर्ट की गई कार्रवाइयों का है, वास्तविक नेटवर्क और इसकी कुल मात्रा इससे बड़ी हो सकती है।

सबसे गंभीर बात यह है कि भोपाल और उसके आसपास एमडी बनाने की फैक्ट्रियां पकड़े जाने का इतिहास भी सामने आ चुका है। अक्टूबर 2024 में बगरोदा क्षेत्र में करीब 900 किलो एमडी की फैक्ट्री पकड़ी थी, जिसकी कीमत 1,814 करोड़ रुपए थी। इसके बाद अगस्त 2025 में जगदीशपुर-इस्लाम नगर क्षेत्र में एक और अवैध मेफेड्रोन निर्माण इकाई पकड़ी। यहां 61.20 किलो मेफेड्रोन एवं 541 किलो से अधिक कच्चा माल बरामद हुआ, जिसकी अवैध बाजार कीमत करीब 92 करोड़ रुपए थी।



- अक्टूबर 2024 में बगरोदा में एमडी की फैक्ट्री पकड़ाई।
- यहां 900 किलो एमडी ड्रग्स मिली थी।

छह माह में लगातार इस तरह खुलता गया नशे का नेटवर्क

मई..भोपाल रेलवे स्टेशन: 37 ग्राम एमडी कीमत 4 लाख की पकड़ी गई। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से 9.57 किलो गांजा जब्त। कीमत 2.65 लाख रुपए।

जून.. कोलार: मिनी ट्रक से 170.09 किलो गांजा जब्त। एल्युमिनियम की सिल्लियों के नीचे छिपाकर ले जा रहे थे। वाहन और अन्य जब्त सामान की कीमत 1.33 करोड़ रुपए।

जुलाई: दो नाबालिग गांजा तस्करी करते पकड़ाए। 13.07 किलो गांजा जब्त। ओडिशा से गांजा लाकर शहर में सप्लाई करते थे।

अगस्त.. भोपाल रेलवे स्टेशन: डीआरआई ने 8.6 किलो मेम्फेटामाइन जब्त की। कीमत 7.10 करोड़ रुपए। जांच में अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का कनेक्शन सामने आया।

सितंबर..भोपाल रेलवे स्टेशन: दो कार्रवाई में 4.38 किलो एम्फेटामाइन पकड़ी। कीमत करीब 3.50 करोड़ रुपए।

14 अक्टूबर..आईएसबीटी: 2.604 किलो एम्फेटामाइन पकड़ी। कार्रवाई ने आईएसबीटी को नशे की तस्करी के नए रास्ते के रूप में सामने ला दिया।

20 अक्टूबर...आईएसबीटी: दो ट्रॉली बैग में लाई जा रही 9.139 किलो मेथामेटामाइन जब्त। कीमत 7.32 करोड़ रुपए।

1 नवंबर...आईएसबीटी: डीआरआई ने फिर 4.321 किलो मेथामेटामाइन पकड़ी। कीमत 3.45 करोड़ रुपए। खास यह है कि एक माह में आईएसबीटी पर यह तीसरी कार्रवाई थी।

5 नवंबर/10 नवंबर..दिल्ली-भोपाल बस: दिल्ली से भोपाल आ रही बस में एक यात्री के सामान से 6.642 किलो एम्फेटामाइन जब्त। डीआरआई के फील्ड टेस्ट में एम्फेटामाइन की पुष्टि हुई। जांच में पता चला वह बेंगलुरु में एक एनडीपीएस केस में जमानत पर था।

11 नवंबर: क्राइम ब्रांच ने दो अलग-अलग कार्रवाई की। गोविंदपुरा में कस्तूरबा अस्पताल के पास से 60 वर्षीय महिला को 10 किलो 100 ग्राम गांजे के साथ पकड़ा। इसकी कीमत करीब 3 लाख रुपए। दूसरी कार्रवाई बालगढ़िया के एक होटल में हुई, जहां सिहोर के युवक से 2.51 ग्राम एमडी जैसे पदार्थ का पाउडर मिला। कीमत 80 हजार रुपए।

क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान का कहना है कि नशे के खिलाफ शहर में अभियान जारी है लगातार कार्रवाई की जा रही है और इस तरह की गतिविधियों करने वालों पर सतत निगरानी की जा रही है।

भिंड से लौटे तो घर के पांच ताले टूटे मिले

बिल्डर के घर 33.45 लाख की चोरी, सोने-चांदी के जेवर समेत कैश ले गए

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में बिल्डर अरविंद सिंह गुर्जर के घर चोरी हो गई। वे 7 नवंबर की रात परिवार के साथ दीपावली मनाने अपने गांव भिंड जिले में गोहद खरौंआ गए थे। इस दौरान तीन नकाबपोश बदमाशों ने सूने मकान को निशाना बनाया। बदमाश मेन गेट से लेकर अंदर के कमरों और अलमारी तक के पांच ताले तोड़कर करीब 33 लाख 45 हजार रुपए का माल समेट ले गए। चोरी गए सामान में 29 लाख रुपए कीमत के सोने के जेवर, 3 लाख 40 हजार रुपए की करीब पौने दो किलो चांदी और 1 लाख 5 हजार रुपए नकद शामिल हैं। वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें तीनों बदमाश कॉलोनी में घूमते और फिर घर में दाखिल होते नजर आ रहे हैं। कोहेफिजा पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, अरविंद सिंह गुर्जर (42) एयरपोर्ट रोड स्थित इंद्र विहार कॉलोनी के ब्लॉक-12 में परिवार के साथ रहते हैं। वे बिल्डर और ठेकेदारी का काम करते हैं। 7 नवंबर की रात करीब डेढ़ बजे परिवार के साथ गांव रवाना होने से पहले उन्होंने मकान के मेन गेट, अंदर के कमरों और अलमारी में ताले लगा दिए थे। इसी बीच चोरों ने उनके घर को निशाना बनाया। जब वे सामान बटोर कर भागे तो उनकी पूरी हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।



चोरी के बाद भागते समय सीसीटीवी कैमरे में कैद चोर।

पुश्तैनी जेवरात और नकदी ले गए बदमाश

कल देर रात परिवार के साथ अरविंद लौटे तो घर के मेन गेट का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो कमरों और अलमारी के ताले भी टूटे हुए थे। घर का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी में रखे पुश्तैनी सोने-चांदी के जेवर और नकदी गायब थे। इसके बाद उन्होंने कोहेफिजा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में तीन नकाबपोश बदमाश पहले कॉलोनी में घूमते और फिर घर में घुसते दिखाई दे रहे हैं।

पचमढ़ी में पदस्थ एसडीओ के प्रोफेसर कॉलोनी स्थित घर पर चल रही जांच

आय से अधिक संपत्ति में वन विभाग के एसडीओ के घर लोकायुक्त का छापा, खंगाले जा रहे दस्तावेज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल लोकायुक्त की टीम ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में वन विभाग के एसडीओ संजीव कुमार शर्मा के ठिकानों पर आज सुबह छापेमार कार्रवाई की है। टीम ने भोपाल में प्रोफेसर कॉलोनी स्थित उनके आवास पर दबिश दी। संजीव शर्मा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के पचमढ़ी में एसडीओ फॉरेस्ट के पद पर पदस्थ हैं।

लोकायुक्त की टीम ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत और उससे जुड़े तथ्यों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। छापे के दौरान अधिकारियों की टीम घर में मौजूद दस्तावेजों, संपत्ति से संबंधित रिकॉर्ड और अन्य वित्तीय जानकारियों की जांच कर रही है। इसके साथ ही संजीव शर्मा से जुड़े अन्य ठिकानों पर भी लोकायुक्त की टीमें तलाशी ले रही हैं।





अफसर आंक रहे संपत्ति

खबर लिखे जाने तक एसडीओ की चल-अचल संपत्तियों का खुलासा नहीं हो सका था। लोकायुक्त के अफसरों का कहना है कि सभी ठिकानों पर तलाशी की जा रही है। दस्तावेज खंगालने के बाद संपत्ति का आकलन होगा।

खनिज व पुलिस विभाग के साथ रहेगी तैनाती

अवैध खनिज परिवहन रोकने चेकपोस्ट पर परिवहन अमला

भोपाल। खनिज के अवैध परिवहन को रोकने के लिए प्रदेश में 40 ई-चेकपोस्ट लगाने के बाद अब सरकार 20 मैनुअल चेकपोस्ट भी लगाएगी। इसमें खनिज, परिवहन विभाग व पुलिस का अमला मिलकर खनिज के अवैध परिवहन की निगरानी और रोकथाम करेंगे। यह निर्णय मुख्य रूप से उन संवेदनशील मार्गों को ध्यान में रखकर लिया गया है, जहां से अवैध रूप से रेत, गिट्टी, बोल्डर और अन्य खनिजों का परिवहन की शिकायतें मिल रही हैं। परिवहन आयुक्त उमेश जोगा का कहना है कि खनिज के अवैध परिवहन को रोकने के लिए 20 चेकपोस्ट बनाए जाएंगे। खनिज विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर चुके हैं। उन्हें परिवहन का जितना अमला लगेगा, उतना परिवहन विभाग उपलब्ध कराएगा। ऐसे मार्ग जिन पर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से अवैध परिवहन होता है, उन्हें चिह्नित कर नियमित गश्त की जाएगी। मैनुअल चेकपोस्ट शुरुआत में उन अंतरराज्यीय-अंतरजिला सीमाओं पर बनेंगे, बेहद संवेदनशील हैं।

मेट्रो एंकर | **विश्व मधुमेह दिवस: युवाओं में शादी से पहले ही मिल रहे डायबिटीज के लक्षण**

मोटापा, तनाव और करसत से दूरी बढ़ा रही युवाओं में मधुमेह

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अनियमित दिनचर्चा लोगों को डायबिटीज का शिकार बना रही है। विशषज्ञों की मानें तो जिनकी 26 साल की उम्र में भी शादी तय हो रही है, उनकी जांच में भी डायबिटीज के लक्षण सामने आ रहे हैं। यह चिंता पैदा कर रही है। हमारी बिगड़ी हुई जीवनशैली के कारण डायबिटीज युवाओं में 30 से 40 साल में हो रही है। जिसने आंख, गुर्दा, हृदय नसों और पैरों को नुकसान हो रहा है। विश्व मधुमेह के दिवस पर आज डायबिटीज रोग के विशेषज्ञों ने इस बीमारी की बढ़ते खतरों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। बचने के कई सुझाव भी दिए। विश्व मधुमेह दिवस-26 की थीम इस बार अर्ली एक्शन आन डायबिटीज (मधुमेह पर शीघ्र नियंत्रण) है। मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. ललित श्रीवास्तव कहते हैं कि डायबिटीज में रक्त शर्करा सामान्य से अधिक हो जाता है, लेकिन टाइप 2 डायबिटीज के स्तर तक नहीं पहुंचता। अधिक वजन डायबिटीज को बढ़ाने में मददगार साबित हो रहा है। डायबिटोलॉजिस्ट कंसल्टेंट डॉक्टर सचिन गुप्ता के अनुसार मौजूदा जीवन शैली में डायबिटीज को रोकने के लिए जागरूकता जरूरी है। रोज कम से कम 30 मिनट तेज चलना या सप्ताह में 150 मिनट व्यायाम, संतुलित आहार, रिफाइंड चीनी और तले-भुने खाद्य पदार्थों से परहेज लाभदायक हो सकते हैं।



- भारत में 10.1 करोड़ लोग मधुमेह और 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटीज
- अब 30 से 40 वर्ष की उम्र के लोगों में भी इसके लक्षण सामने आ रहे हैं

तेजी से बढ़ रहा डायबिटीज का खतरा, आज से भोपाल में चलेगा जागरूकता अभियान

बदलती जीवनशैली, खानपान की आदतों और शारीरिक गतिविधियों में कमी के चलते युवाओं में डायबिटीज का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए विश्व मधुमेह दिवस पर रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया (आरएसएसडीआई) के मध्य प्रदेश चैप्टर और कृष्णा डायबिटीज चैरिटेबल एंड रिसर्च फाउंडेशन, भोपाल प्रदेशव्यापी जागरूकता अभियान चलाएगा। इसके तहत नि:शुल्क ब्लड शुगर जांच, जोखिम आकलन, व्याख्यान और जागरूकता रैलियां आयोजित होंगी। 29 नवंबर को सुबह तुलसी नगर स्थित शांतिवन में विशेष शिविर लगाया जाएगा। यहां नि:शुल्क शुगर जांच, मधुमेह जोखिम आकलन और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श मिलेगा। आरएसएसडीआई मध्य प्रदेश चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. सचिन कुमार गुप्ता और डॉ. सुयश गुप्ता ने नागरिकों से शिविर में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने संतुलित खानपान, नियमित व्यायाम और समय पर जांच को डायबिटीज से बचाव का प्रभावी उपाय बताया।



नगर निगम ने शुरू की सख्ती

बड़े बकायादारों के संपत्ति कर में गड़बड़ी 10 अफसर-कर्मचारी जांच के दायरे में

भोपाल। दोपहर मेट्रो

वित्तीय वर्ष खत्म होने से पहले ही भोपाल नगर निगम ने बकायादारों पर सख्ती शुरू कर दी है। बीते तीन दिन में आधा दर्जन बकायादारों पर कार्रवाई की गई। इधर, बड़े बकायादारों के संपत्तिकर में हेरफेर करने का मामला भी सामने आया है। जिसमें निगम के 10 अधिकारी और कर्मचारी जद में आ रहे हैं।

एक मामले की जांच पुलिस से कराई जा रही है। जिसमें लिंक रोड नंबर-2 स्थित मुख्यालय की कंप्यूटर शाखा के आईटी एक्सपर्ट और ऑपरेटर शेख वसीम का मामला पकड़ा गया। वसीम ने जोन-2 के जोनल अधिकारी की आईडी का पासवर्ड रीसेट कर सेंट जोसेफ स्कूल का 7.71 लाख टैक्स घटाकर 1.09 लाख रुपए कर दिया। स्कूल का क्षेत्रफल घटाया। कचरा प्रबंधन व व्यावसायिक लाइसेंस शुल्क शून्य कर दिए। यह हेरफेर 31 मार्च 2026 को हुआ।

सितंबर में दर्ज हुई रिपोर्ट

मामले में जेडओ मोहित मालवीय की शिकायत पर 18 सितंबर को क्राइम ब्रांच थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी। इसके बाद पुलिस ने उसे 8 नवंबर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अन्य खातों में भी हेरफेर की बात कबूली। ऐसे 276 से ज्यादा संदिग्ध खातों की जांच होगी।

स्वच्छता सर्वेक्षण से बाहर भोपाल की साख पर सवाल!

घरों से गीला-सूखा कचरा अलग करवाने में नगर निगम के छूट रहे पसीने

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में राष्ट्रीय पुरस्कारों की दौड़ से बाहर होने के बाद भोपाल नगर निगम ने अगले सर्वेक्षण की तैयारी शुरू कर दी है। शहर को फिर से स्वच्छता के मुकाबले में मजबूत स्थिति में लाने के लिए अधिकारियों ने सफाई अभियान और कमजोर इलाकों पर ध्यान देना शुरू किया है, लेकिन निगम की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म होने के बाद भी कचरा प्रबंधन की व्यवस्था पूरी तरह पटरी पर नहीं लौटी है। सबसे ज्यादा असर गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग इकट्ठा करने पर पड़ा है। हड़ताल से पहले रोजाना 330 टन से ज्यादा गीला कचरा जुटाने वाला निगम अब केवल 90 टन ही इकट्ठा कर पा रहा है। यानी शहर में गीले कचरे का कलेक्शन करीब 73 फीसदी तक गिर गया है। यह स्थिति तब है, जब भोपाल में रोजाना करीब 850 टन कचरा निकलता है। निगम लगभग पूरा कचरा उठाने का दावा कर रहा है, लेकिन ट्रांसफर स्टेशनों तक पहुंचने वाले कचरे में ज्यादातर गीला और सूखा मिला हुआ है। ऐसे में कचरे का पृथक्करण और उसका सही तरीके से निपटान बड़ी चुनौती बन गया है।

सर्वे में पिछड़ने के बाद अब कमजोर इलाकों पर नजर

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में भोपाल को किसी भी राष्ट्रीय पुरस्कार श्रेणी में जगह नहीं मिली। इससे पहले शहर स्वच्छता के मामले में देश के अग्रणी शहरों में शामिल रहा है। अब निगम का लक्ष्य अगले सर्वेक्षण में प्रदर्शन सुधारना है। इसी के तहत कमिश्नर आरपी अहिरवार ने सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को कमजोर प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। पुराने शहर के साथ ऐशबाग, शाहजहांनाबाद और करोंद जैसे इलाकों को प्राथमिकता में रखा गया है। इन क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था सुधारने और कचरे के ढेर हटाने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।



400 से ज्यादा गाड़ियां लगा रहीं चक्कर

शहर में घर-घर से कचरा उठाने के लिए 400 से ज्यादा गाड़ियां चल रही हैं। ये रोजाना दो से तीन चक्कर लगाती हैं। कचरा पहले 17 गारबेज ट्रांसफर स्टेशनों पर पहुंचता है। इसके बाद कैप्सूल टैंकरों के जरिए आदमपुर खंती भेजा जाता है। व्यवस्था इतनी बड़ी होने के बावजूद घरों से ही गीला और सूखा कचरा अलग-अलग नहीं मिल रहा है। कर्मचारियों ने डोर-टू-डोर कलेक्शन में कचरे को अलग रखने की प्रक्रिया पहले की तरह शुरू नहीं की है।

केवल कर्मचारियों से नहीं हटेंगे कचरे के ढेर, मशीनों की जरूरत

हड़ताल के दौरान शहर के कई हिस्सों में कचरे के ढेर जमा हो गए थे। निगम के स्वास्थ्य अधिकारियों का मानना है कि इन ढेरों को केवल हाथ से साफ करना आसान नहीं होगा। इसके लिए मशीनरी की मदद लेनी पड़ेगी। सफाई अभियान की योजना तैयार की गई है, लेकिन कर्मचारियों से तय निर्देशों के अनुसार काम कराने में भी परेशानी आ रही है। अपर आयुक्त अमन मिश्रा के मुताबिक, निगम सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए नई पहल शुरू करेगा। इसमें घरों से ही गीला और सूखा कचरा अलग-अलग लेने पर जोर रहेगा। डोर-टू-डोर कलेक्शन व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। निगम के सामने अब दोहरी चुनौती है। एक तरफ हड़ताल के बाद बिगड़ी व्यवस्था को सुधारना है, दूसरी तरफ स्वच्छता सर्वेक्षण 2027 के लिए शहर की तैयारी करनी है।

तीन दिन की हड़ताल का असर अब भी बरकरार

3 नवंबर की रात से 6 नवंबर तक चली सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल में 14 हजार से ज्यादा कर्मचारी शामिल हुए थे। इनमें 12 हजार से ज्यादा सफाई कर्मचारी और दूसरे विभागों के करीब दो हजार दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी थे। तीन दिन तक कचरा कलेक्शन प्रभावित रहा। शहर के सभी 85 वार्ड और 21 जोन इसकी चपेट में आए। इस दौरान 400 से ज्यादा कचरा गाड़ियां खड़ी रहीं।



पशु पालक सम्मेलन में सीएम मोहन का बड़ा ऐलान

प्रदेश में हर साल तैयार होंगी एक लाख उन्नत नस्ल की बछिया, पशुपालक होंगे समृद्ध

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश को देश का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक राज्य बनाने के लिए सरकार अब पशुधन संवर्धन पर विशेष जोर देगी। प्रदेश में हर साल एक लाख उन्नत नस्ल की बछिया तैयार कर किसानों को उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खेती के साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को अपनाकर किसान अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के हर किसान के घर में समृद्धि आए और मध्यप्रदेश दूध उत्पादन में देश में पहले स्थान पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने यह बात ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में विशाल पशुपालक सम्मेलन एवं पशु मेले का शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में मध्यप्रदेश देश के कुल दुग्ध उत्पादन में लगभग 9 प्रतिशत योगदान के साथ तीसरे स्थान पर है। प्रदेश में ढाई करोड़ से अधिक पशुधन है, जिसमें एक करोड़ से अधिक गौवंश शामिल हैं। इसके बावजूद दुग्ध उत्पादन बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रदेश को एक लाख उन्नत नस्ल की बछिया उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

55 जिलों में बलराम कृषि महोत्सव

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के सभी 55 जिलों में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए गए हैं। वृंदावन ग्रामों में गोवर्धन पूजा के अवसर पर उत्कृष्ट दुधारू पशुओं की प्रतियोगिताएं कराई गईं। विजेता पशुपालकों को ट्रैक्टर, बुलेट मोटरसाइकिल, स्कूटी और नकद पुरस्कार दिए गए। टेकनपुर के पशुपालक रामवीर सिंह को गोपाल कृष्ण पुरस्कार योजना में एक लाख रुपये का प्रथम पुरस्कार मिला। उनकी गाय प्रतिदिन 14 लीटर दूध देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुपालन के साथ बकरी पालन और कुक्कुट पालन भी किसानों की आय बढ़ाने के प्रभावी माध्यम हैं।

ग्वालियर में 605 मीट्रिक टन दूध उत्पादन

मुख्यमंत्री ने बताया कि ग्वालियर जिले में 70 हजार पशुपालक चार लाख से अधिक पशुधन का पालन कर रहे हैं और प्रतिदिन 605 मीट्रिक टन दूध का उत्पादन हो रहा है। जिले में 619 खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां संचालित हैं तथा 25 हजार से अधिक किसान प्राकृतिक खेती से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कुलैथ के जगन्नाथ मंदिर के विकास के लिए 51 लाख रुपये देने के साथ तीन सड़कों और एक सामुदायिक भवन के निर्माण की घोषणा भी की। उन्होंने पशु मेले में बैलगाड़ी दौड़ का आनंद लिया।

175 करोड़ की संबल सहायता, 34.58 लाख लोगों को पेंशन

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के सात हजार से अधिक श्रमिकों के खातों में 175 करोड़ रुपये की सहायता राशि अंतरित की। वहीं सामाजिक सुरक्षा एवं दिव्यांगजन पेंशन योजना के 34.58 लाख से अधिक हितग्राहियों को 207.48 करोड़ रुपये की पेंशन राशि भी हस्तांतरित की।

16 से 18 नवंबर तक महाआंदोलन



भोपाल में जुटेंगे 4 हजार कोरोना योद्धा, मांग न मानने पर घेरेंगे विधानसभा

भोपाल। कोरोना काल में दो साल तक मरीजों की सेवा करने वाले मध्यप्रदेश के हजारों अस्थायी स्वास्थ्यकर्मी फिर आंदोलन तेज करने जा रहे हैं। पुनर्बहाली की मांग को लेकर 16, 17 और 18 नवंबर को भोपाल के नीलम पार्क में 3 दिवसीय महाआंदोलन होगा। मध्यप्रदेश कोविड-19 आयुष चिकित्सक संघ एवं पैरामेडिकल स्टाफ का दावा है कि इसमें प्रदेशभर से करीब चार हजार कोरोना योद्धा परिवार सहित शामिल होंगे। ये कर्मचारी पांच अक्टूबर से नीलम पार्क में धरने पर हैं। हाल ही में उन्होंने अर्धनग्न प्रदर्शन किया था, जबकि महिलाओं ने पीपीई किट पहनकर विरोध जताया था।

आंदोलन में आयुष चिकित्सक, स्टाफ नर्स, एएनएम, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन और पैरामेडिकल स्टाफ शामिल हैं। इन्होंने कोविड सेंटरों, आईसीयू, सैंपलिंग और वैक्सीनेशन में काम किया था। महामारी खत्म होने के बाद उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। अब वे अनुभव और सेवाकाल के आधार पर दोबारा नौकरी की मांग कर रहे हैं।

संघ का आरोप है कि कई बार ज्ञापन देने के बाद भी सरकार ने कोई ठोस लिखित आश्वासन नहीं दिया। संगठन का दावा है कि उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और हरियाणा में कोविड कर्मियों के समायोजन की दिशा में कदम उठाए गए हैं।

चुनाव से पहले बदलेगा मध्यप्रदेश का नक्शा!

नए जिले-संभाग बनाने की कवायद हुई तेज, दिसंबर में जनप्रतिनिधियों से मंथन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश का प्रशासनिक नक्शा बदलने की तैयारी तेज हो गई है। सरकार संभागों, जिलों और तहसीलों की सीमाओं के पुनर्गठन की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत राज्य प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग ने जिलों का दौरा कर स्थानीय परिस्थितियों और प्रशासनिक जरूरतों की जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू की है। अब आयोग दिसंबर में संभागीय स्तर पर बैठकें आयोजित करेगा। इनमें जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर नए जिलों के गठन, तहसीलों के पुनर्गठन और मौजूदा प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव को लेकर सुझाव लिए जाएंगे। जनगणना के आंकड़े उपलब्ध होने के बाद आयोग अपनी अंतिम रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपेगा।

प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के लिए गठित आयोग प्रदेश के 50 जिलों का दौरा कर चुका है। शेष पांच जिलों में भी इसी महीने बैठकें पूरी करने की तैयारी है। इसके बाद दिसंबर में संभाग स्तर पर जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकें होंगी। आयोग इन बैठकों के माध्यम से स्थानीय विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों से जानने का प्रयास करेगा कि किन क्षेत्रों को जिला या तहसील मुख्यालय से दूरी के कारण प्रशासनिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय जरूरतों और विकास की संभावनाओं के आधार पर सुझावों को संकलित किया जाएगा। आयोग के सदस्य मुकेश शुक्ला के अनुसार, पुनर्गठन की प्रक्रिया लगातार जारी है। जिला स्तर की बैठकों के बाद संभागीय स्तर पर चर्चा की जाएगी।



जनगणना के कारण 31 दिसंबर 2025 से सीमाएं फीज

प्रशासनिक पुनर्गठन की प्रक्रिया में जनगणना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जनगणना कार्य के चलते 31 दिसंबर 2025 से प्रदेश की प्रशासनिक सीमाएं फीज हैं। इसका अर्थ है कि जनगणना की प्रक्रिया पूरी होने तक जिलों, तहसीलों और अन्य प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं में आधिकारिक बदलाव नहीं किया जा सकता। हालांकि, सरकार ने भविष्य में पुनर्गठन की संभावनाओं को देखते हुए अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोग स्थानीय स्तर पर समस्याओं, जनसंख्या के दबाव और प्रशासनिक आवश्यकताओं का आकलन कर रहा है, ताकि सीमाओं में बदलाव की प्रक्रिया शुरू होने पर ठोस प्रस्ताव तैयार रहें।

कैबिनेट में लगेगी मुहर

20 मकानों वाले मजरा-टोला तक पहुंचेगी बिजली, 200 करोड़ की योजना हुई तैयार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में 20 मकानों वाले मजरा-टोला तक भी बिजली आपूर्ति की जाएगी। ऊर्जा विभाग ने इसका प्रस्ताव बनाया है। इस प्रोजेक्ट में 200 करोड़ रुपये का बजट प्रविधान किया है। वित्त विभाग से सहमति के बाद इसका प्रस्ताव 18 नवंबर को नीमच जिले के गांधीसागर में होने वाली कैबिनेट की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा।

इस निर्णय से प्रदेश के हजारों ऐसे ग्रामीण और वनवासी परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा, जो मुख्य गांव से दूर होने के कारण अब तक विद्युतीकरण से वंचित रहे। सरकार ने बिजली वितरण कंपनियों को निर्देश दिए हैं कि वे ऐसे मजरा-टोलों का सर्वे करें। इसके बाद वहां एलटी लाइन (लो टेंशन लाइन) का विस्तार कर नए ट्रांसफार्मर लगाकर घरों तक बिजली आपूर्ति की जाएगी।



धरती आबा और पीएम जनमन जैसी होगी योजना

केंद्र सरकार की धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) और पीएम-जनमन दोनों योजनाओं के अंतर्गत आदिवासी और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के घरों तक बिजली पहुंचाने के लिए आन-ग्रिड (बिजली लाइनों का विस्तार) और आफ-ग्रिड सौर ऊर्जा दोनों की व्यवस्था की गई है। इन दोनों योजनाओं की तरह ही राज्य सरकार अपनी एक अलग योजना ला रही है। इसमें वन क्षेत्रों से लगी बस्तियों के अलावा योजना का लाभ सभी वर्गों को दिया जाएगा।

कैबिनेट की बैठक में होगा पंप हाइड्रो स्टोरेज परियोजना का प्रस्तुतीकरण

गांधीसागर में कैबिनेट की बैठक में 1,920 मेगावाट भंडारण क्षमता वाली पंप हाइड्रो स्टोरेज परियोजना का प्रस्तुतीकरण होगा। सभी मंत्रियों को परियोजना स्थल का भ्रमण कराया जाएगा। 1920 मेगावाट की पूरी क्षमता पर लगातार छह घंटे बिजली उत्पादन किया जा सकेगा। परियोजना पर 11500 करोड़ रुपये निवेश होगा। यह परियोजना नीमच जिले की रामपुरा तहसील के खेमला ब्लाक के गांव में स्थापित की जा रही है। परियोजना का निर्माण लगभग 414 हेक्टेयर भूमि पर किया जा रहा है। दिसंबर 2026 में टर्बाइनों के पहले सेट का संचालन शुरू होगा। जून 2027 से पूरी परियोजना का वाणिज्यिक संचालन पूर्ण रूप से शुरू करने का लक्ष्य है। इसके अलावा मोहन कैबिनेट (मंत्रिमंडल) गांधीसागर अभयारण्य में चीतों को भी देखने जाएगा।

अग्निवीर भर्ती

जल्द जारी होगा शारीरिक परीक्षा का परिणाम, ग्वालियर में होगा पैरा कमांडो का चयन

ग्वालियर। भारतीय सेना में रिक्त अग्निवीरों के पदों पर चल रही भर्ती प्रक्रिया अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। शारीरिक परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों का इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है, क्योंकि आगामी एक सप्ताह के भीतर परीक्षा परिणाम जारी होने की पूरी उम्मीद है। परिणाम जारी होने के तुरंत बाद चयन प्रक्रिया का अगला अहम पड़ाव शुरू होगा। सफल अभ्यर्थियों में से सबसे पहले पैरा कमांडो के लिए योग्य युवाओं का चयन किया जाएगा। अभ्यर्थियों की सुविधा और भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य से पैरा कमांडो की यह विशेष चयन प्रक्रिया ग्वालियर में ही आयोजित की जाएगी। इसमें शारीरिक परीक्षा मुरार स्थित सेना भर्ती कार्यालय द्वारा ही कराई जाएगी। जो अभ्यर्थी पैरा कमांडो भर्ती में चयनित होंगे, उन्हें आगरा स्थित ट्रेनिंग सेंटर भेजा जाएगा।



वियतनाम में छाया मध्यप्रदेश के बाग प्रिंट का हुनर

40 देशों के शिल्पकारों के बीच छाई कला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की सदियों पुरानी पारंपरिक हस्तशिल्प कला बाग प्रिंट अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी अलग पहचान बना रही है। प्राकृतिक रंगों, बारीक कारीगरी और पारंपरिक ठप्पा छपाई के लिए प्रसिद्ध इस कला का हुनर वियतनाम की राजधानी हनोई में आयोजित ग्लोबल क्राफ्ट फेस्टिवल में दुनिया के सामने प्रदर्शित किया जा रहा है। 13 से 16 नवंबर तक चलने वाले इस आयोजन में 40 से अधिक देशों के शिल्पकार, कला विशेषज्ञ, उद्योगपति और प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। यहां मध्यप्रदेश के बाग प्रिंट की पारंपरिक तकनीक और आधुनिक उत्पादों ने विदेशी मेहमानों का ध्यान आकर्षित किया है।

मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त मास्टर शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री और डॉ. मोहम्मद आरिफ खत्री अपनी प्रदर्शनी के माध्यम से बाग प्रिंट की समृद्ध विरासत को वैश्विक पहचान दिला रहे हैं। प्रदर्शनी में इस कला के इतिहास, पारंपरिक छपाई की तकनीक और प्राकृतिक रंगों को तैयार करने की प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। इसमें शुद्ध लोहे की भस्म, वनस्पतियों और जड़ी-बूटियों से तैयार रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं सागवान की लकड़ी से बने पारंपरिक ठप्पों के जरिए कपड़ों पर आकर्षक डिजाइन उकेरे जाते हैं।



मेट्रो एंकर

अतिक्रमण हटेगा, निर्माण पर लगेगी रोक; मंदिर को मिलेगा मूल पौराणिक स्वरूप

अमरकंटक में बदलेगी मां नर्मदा उद्गम स्थल की सूरत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मां नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक की धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को नया स्वरूप देने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर नर्मदा उद्गम मंदिर परिसर का मूल पौराणिक स्वरूप बहाल किया जाएगा। इसके तहत प्राचीन मंदिरों और सांस्कृतिक स्थलों का संरक्षण, अतिक्रमण हटाने, जल की शुद्धता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधाएं बढ़ाने के साथ मंदिर परिसर को स्वच्छ, व्यवस्थित और प्रदूषण मुक्त बनाने पर भी जोर दिया जाएगा।

श्री नर्मदा मंदिर (नर्मदा उद्गम) ट्रस्ट अमरकंटक की 21वीं सामान्य बैठक में इन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट अध्यक्ष एवं शहडोल संभाग की कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने की। नर्मदा उद्गम मंदिर को उसके मूल पौराणिक स्थापत्य स्वरूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए प्राचीन मंदिरों और सांस्कृतिक स्थलों का दस्तावेजीकरण कर उनका संरक्षण एवं संवर्धन किया जाएगा। मंदिर परिसर के साथ माई की बगिया को भी पारंपरिक स्वरूप के अनुरूप विकसित किया जाएगा। मंदिर के प्रवेश और निकास द्वारों को पौराणिक स्थापत्य शैली में भव्य बनाया जाएगा। इन द्वारों पर पशुओं के प्रवेश को रोकने के लिए काऊ कैचर भी लगाए जाएंगे। नर्मदा उद्गम कुंड और स्नान क्षेत्र के जल की शुद्धता बनाए रखने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्रतिमाह पानी के नमूनों की जांच कराई जाएगी। मंदिर परिसर से निकलने वाले जल और पूजन सामग्री का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाएगा। इसके लिए जीरो डिस्चार्ज व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया है। परिसर में प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के साथ स्वच्छता व्यवस्था को भी मजबूत किया जाएगा। उद्गम स्थल और मंदिर परिसर के आसपास हुए अनधिकृत अतिक्रमण को चिन्हित कर चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा। सीमेंट-कंक्रीट से बनी ऐसी संरचनाओं को भी हटाने की कार्रवाई होगी, जो निर्धारित नियमों के अनुरूप नहीं हैं।



कोटि तीर्थ घाट और माई की बगिया में बढ़ेंगी सुविधाएं

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कोटि तीर्थ घाट के दोनों ओर शेड बनाए जाएंगे। माई की बगिया के पूजा स्थल के मंडप शेड के चारों ओर ग्रिल लगाई जाएगी। मुख्य मंदिर की यज्ञशाला और माई की बगिया के धूना शेड की मरम्मत होगी। यहां रसोई शेड बनाने और पानी की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पानी की टंकी स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया है। बैठक में ट्रस्ट का वार्षिक आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया। वित्तीय पारदर्शिता और बेहतर प्रबंधन के लिए मासिक आय पंजी का नियमित संधारण करने पर सहमति बनी। बैठक में शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह, पुष्पराजगढ़ विधायक फुन्देलाल सिंह, कलेक्टर रत्नाकर झा, वन मंडलाधिकारी डेविड वेंकट राव चनाप, एसडीएम वसीम अहमद भट्ट सहित ट्रस्ट के सदस्य मौजूद रहे।

फिर बीजेपी की होगी बल्ले-बल्ले !

आईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने अगले वर्ष उत्तरप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन का ऐलान किया तो निश्चित ही सबसे ज्यादा खुशी भारतीय जनता पार्टी को हुई होगी। ओवैसी ने चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद का चेहरा भी घोषित कर दिया है। ये दोनों पार्टियां मिलकर सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के नाम से उत्तरप्रदेश विधानसभा की सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। अभी इन दोनों ही पार्टियों का उत्तरप्रदेश में कोई विधायक नहीं है। चंद्रशेखर कह रहे हैं कि अभी गठबंधन में केवल दो पार्टियां हैं लेकिन उम्मीद है कि और भी पार्टियां जुड़ेंगी। लगे हाथ उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी से भी आग्रह कर लिया है कि साथ मिलकर चुनाव लड़िए ताकि भारतीय जनता पार्टी को हराया जा सके। मगर क्या यह संभव है कि ओवैसी और चंद्रशेखर के नेतृत्व में कांग्रेस या समाजवादी पार्टी चुनाव लड़ें? इन दोनों पार्टियों का अपना वजूद है। फिलहाल कांग्रेस के पास भले ही केवल दो सीटें हों लेकिन उसका कद ओवैसी और चंद्रशेखर के सामाजिक परिवर्तन मोर्चा से काफी बड़ा है। और समाजवादी पार्टी के पास तो 101 सीटें हैं। वह क्यों इस मोर्चे के साथ होगी। यदि मोर्चा बनना ही है तो अखिलेश यादव खुद मुख्यमंत्री का चेहरा हैं, न कि वे चंद्रशेखर के चेहरे पर चुनाव लड़ेंगे। यानी ये तय है कि इस मोर्चे के साथ न कांग्रेस जाने वाली है और न ही समाजवादी पार्टी जाएगी। दरअसल ओवैसी और चंद्रशेखर का गणित यह है कि उत्तर प्रदेश में मुसलमानों और अनुसूचित जाति का वोट जोड़ दिया जाए तो वह करीब 40 प्रतिशत होता है। यह वोट यदि एकमुश्त मोर्चा को मिल जाए तो वे सत्ता में आ सकते हैं। मगर यह कागजी गणित है। ओवैसी और चंद्रशेखर यह भूल रहे हैं कि मुसलमानों और अनुसूचित जाति के बीच सपा, कांग्रेस और कुछ हद तक मायावती की भी पैठ है। मायावती इस वक्त भले ही कमजोर नजर आ रही हों और विधानसभा या विधान परिषद में उनका एक भी विधायक नहीं हो लेकिन वो वोट काटने की ताकत तो रखती ही हैं। 403 विधानसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जातियों के लिए 84 सीटें आरक्षित हैं। दो सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। इन पर मायावती का कुछ न कुछ तो प्रभाव है ही। वैसे अनुसूचित जाति के वोट बैंक में भारतीय जनता पार्टी भी सेंध लगाने की कोशिश लगातार करती रही है। इसलिए किसी को भी एकमुश्त वोट नहीं मिलने वाला है। उम्मीदवारों के आधार पर भी वोट बंटेंगे। पिछड़ा वर्ग के वोट भी बंटे हुए नजर आते रहे हैं। तो अहम सवाल यह है कि चुनावी परिदृश्य क्या होने वाला है? इस सवाल का जवाब ढूंढ़ते हुए यह भी ध्यान रखना होगा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच किस तरह का गठबंधन होने वाला है। गठबंधन होगा यह तो तय लग रहा है लेकिन सीटों के गणित का पेंच जरूर फंसेगा। समाजवादी पार्टी कतई नहीं चाहेगी कि कांग्रेस ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़े। सपा पिछले चुनाव के परिणामों का आईना दिखाएगी जबकि कांग्रेस के लिए यह करो या मरो का सवाल है। समाजवादी पार्टी को इस बात का भरोसा हो सकता है कि भाजपा के खिलाफ यदि माहौल बनता है तो इसका सीधा फायदा वह खुद क्यों न उठाए? यानी पेंच हर जगह फंसा हुआ है। इसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी को अपने वोट बैंक पर भरोसा है और यह भी भरोसा है कि विपक्षी वोट को बांटने वाले कई हैं। और यह कहने में कोई हर्ज नहीं है कि हमेशा की तरह यदि विपक्ष बंटा हुआ रहता है तो उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की बल्ले-बल्ले हो जाएगी। चुनाव त्रिकोणीय होगा। एक तरफ भाजपा और उसके साथी होंगे तो दूसरी तरफ कांग्रेस और समाजवादी पार्टी और तीसरा होगा ओवैसी और चंद्रशेखर का मोर्चा। मगर राजनीति में एक कहावत है कि ऊंट किस करवट बैठेगा, यह किसी को नहीं पता। अभी वक्त है और हो सकता है कि नए राजनीतिक समीकरण पैदा हो जाएं, राजनीति में वाकई कुछ भी कहना मुश्किल है। इसलिए इंतजार कीजिए और विश्लेषण करते रहिए।

भारत के आर्थिक विकास के लिए राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी

प्रहलाद सबनानी
पूर्व बैंक अधिकारी



भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है।

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को 'बीमारु' राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी। वर्ष 2000-01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034-24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले, लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अतः उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास को गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है।



वर्ष 2024-25 के प्रति व्यक्ति आय (तस्छक्क) के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके।

हाल ही के समय में उक्त चारों राज्यों में आर्थिक विकास ने कुछ गति जरूर पकड़ी है परंतु यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि इन चारों राज्यों की तुलना में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली आदि राज्य तुलनात्मक रूप से बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं बिहार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्योग जगत के लिए मित्रवत नीतियों को बनाकर औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को इन राज्यों को बढ़ावा देना होगा, ताकि इन राज्यों में कृषि के क्षेत्र पर दबाव कम हो एवं उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों का योगदान न केवल सकल घरेलू उत्पाद में बल्कि रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में भी बढ़े।

आज, उक्त चारों राज्य 'बीमारु' राज्य की श्रेणी से तो बाहर निकल आए हैं, परंतु भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु अपने योगदान को बढ़ाने के लिए इन राज्यों को विशेष प्रयास करने होंगे। इन राज्यों के नागरिकों को आगे आने वाले कुछ वर्षों तक केवल अपने प्रदेश के आर्थिक विकास पर ही ध्यान देने की आवश्यकता है। इन राज्यों में विभिन्न समाजों को विशेष प्रयास करते हुए, प्रदेश में किसी भी प्रकार का आंदोलन नहीं होने देना चाहिए। दरअसल, भारत आज विकास के उस चक्र में पहुंच गया है, जहां किसी भी प्रकार का आंदोलन देश के आर्थिक विकास की गति को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। अतः समाज की सज्जन शक्ति को इस ओर विशेष ध्यान देकर समस्त समाज के नागरिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत करते हुए प्रदेश में शांति स्थापित करने के प्रयास तेज करने की आवश्यकता है। प्रदेश की सरकारें तो आर्थिक नीतियों को लागू करने के प्रयास कर ही रही हैं परंतु, समाज को भी संगठित होकर अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करने की महती आवश्यकता है। प्रदेश का आर्थिक विकास की गति को बढ़ाना, अर्थात मां भारती को पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ करने की ओर एक कदम बढ़ाने का प्रयास माना जाना चाहिए। आज उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात द्वारा अपने प्रदेश की अर्थव्यवस्था के आकार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर ले जाने के भरपूर प्रयास किया जा रहे हैं। इसी प्रकार के प्रयास, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं बिहार राज्यों द्वारा भी किए जाने चाहिए, ताकि शीघ्र ही भारत की अर्थव्यवस्था के आकार को 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर लाया जा सके एवं भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया जा सके।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

अहिंसा ही मानवता का सबसे बड़ा धर्म और विश्व शांति का आधार

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार



हिंसा से कभी स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती, प्रेम, करुणा और सहिष्णुता से ही सुरक्षित एवं समृद्ध विश्व का निर्माण संभव है अहिंसा भारतीय संस्कृति की आत्मा और मानव जीवन का सबसे बड़ा नैतिक आदर्श है।यह केवल जीव को शारीरिक कष्ट नही पहुंचाने तक सीमित नही है,बल्कि मन ,वचन और कर्म से किसी के प्रति बुरा भाव न रखना भी अहिंसा है। दूसरों के दुःख को समझना, उनके सुख में सहभागी बनना, प्राणिमात्र के प्रति दया रखना और परस्पर प्रेम एवं सद्भाव से जीवन जीना ही अहिंसा का वास्तविक स्वरूप है। अहिंसा मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाती है, जबकि हिंसा मन में क्रोध, द्वेष, भय और अशांति को जन्म देती है। आज जब दुनिया युद्ध, आतंकवाद, आपसी संघर्ष और वैचारिक टकराव से जूझ रही है, तब अहिंसा का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है।



राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को एक-दूसरे का पूरक बताया था। उनका मानना था कि सत्य और अहिंसा को व्यवहार में अलग नहीं किया जा सकता। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को चोट नहीं पहुँचाना नहीं, बल्कि अगाध प्रेम और कष्ट सहने की अपार क्षमता रखना है। गांधीजी ने अहिंसा को कायरता नहीं, बल्कि वीरता और आत्मबल का सर्वोच्च प्रतीक माना। उन्होंने अपने जीवन और आंदोलनों के माध्यम से दुनिया को दिखाया कि बिना हथियार उठाए भी अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध बड़ी लड़ाई लड़ी जा सकती है। दक्षिण अफ्रीका से लेकर भारत के स्वतंत्रता आंदोलन तक उनका अहिंसक संघर्ष इसका प्रमाण है। अहिंसा मनुष्य का स्वाभाविक गुण है। जैसे पानी का स्वभाव शीतलता और चीनी का स्वभाव मिठास है, वैसे ही आत्मा का स्वभाव करुणा और अहिंसा है। हिंसा मनुष्य के भीतर उत्पन्न होने वाला विकार है, जो क्रोध, लोभ, अहंकार और स्वार्थ से जन्म लेता है। जब मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानता है तो उसके भीतर दया, क्षमा, प्रेम और सहिष्णुता के भाव विकसित होते हैं। यही भाव परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र तक शांति का वातावरण बनाते हैं। भगवान महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म बताया। उनका संदेश था कि सभी जीवों को अपना जीवन प्रिय है। प्रत्येक प्राणी सुख चाहता है और दुःख से बचना चाहता है। मनुष्य जिस प्रकार अपने जीवन की रक्षा चाहता है, उसी प्रकार पशु-पक्षी और छोटे से छोटे जीव भी जीवन जीने का अधिकार रखते हैं। इसलिए किसी भी प्राणी को अनावश्यक कष्ट पहुँचाना उचित नहीं है। जैन दर्शन का मूल सिद्धांत जियो और जीने दो इसी भावना को अभिव्यक्त करता है। भगवान महावीर का यह संदेश आज भी पूरी मानवता के लिए मार्गदर्शक है।

भारतीय इतिहास में सम्राट अशोक का जीवन अहिंसा की शक्ति का उल्लेखनीय उदाहरण है। कलिंग युद्ध में हुए भारी जनसंहार और विनाश ने उनके हृदय को झकझोर दिया। युद्ध की विजय के बावजूद उन्हें आत्मिक शांति नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने हिंसा का मार्ग छोड़कर धम्म, करुणा और लोककल्याण का मार्ग अपनाया। उनका जीवन बताता है कि तलवार से राज्य जीता जा सकता है, लेकिन लोगों का हृदय प्रेम और सद्भाव से ही जीता जा सकता है।

आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती युद्ध और बढ़ता हुआ अंतरराष्ट्रीय तनाव है। अनेक देशों के बीच सीमा विवाद, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, धार्मिक कट्टरता और वर्चस्व की लड़ाई ने मानवता को संकट में डाल रखा है। युद्ध में केवल सैनिक ही प्रभावित नहीं होते, बल्कि निर्दोष नागरिक, महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और आने वाली पीढ़ियां भी इसकी कीमत चुकाती हैं। विकास के लिए खर्च होने वाला धन हथियारों और सैन्य तैयारियों पर खर्च हो जाता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, विज्ञान और जनकल्याण के कार्य पीछे छूट जाते हैं। युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। एक संघर्ष समाप्त होता है तो उसके पीछे नई नफरत और नए विवाद जन्म ले लेते हैं।

हिंसा का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह है कि वह प्रतिशोध की भावना को जन्म देती है। हिंसा का उत्तर हिंसा से देने पर संघर्ष की श्रृंखला समाप्त नहीं होती। इसके विपरीत संवाद, समझौता, न्याय और कूटनीति से कठिन से कठिन विवाद का समाधान निकाला जा सकता है। इसका अर्थ यह नहीं कि अन्याय और अत्याचार के सामने चुप रहा जाए। अहिंसा का अर्थ अन्याय को स्वीकार करना भी नहीं है। अहिंसा का रास्ता अपनाते हुए सत्य, न्याय और अधिकारों के लिए दृढ़ता से खड़ा होना ही वास्तविक साहस है।अहिंसा केवल राष्ट्रों और समाजों के लिए ही नहीं, बल्कि परिवार और व्यक्तिगत जीवन के लिए भी आवश्यक है। घर में कटु वचन, क्रोध और अपमान भी मानसिक हिंसा के रूप हैं। यदि परिवार के सदस्य एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें, मतभेदों को बातचीत से सुलझाएं और क्षमा को जीवन का हिस्सा बनाएं तो परिवार में सुख और शांति बनी रह सकती है। समाज में भी जाति, भाषा, धर्म और विचारधारा के आधार पर नफरत फैलाने के बजाय आपसी सम्मान और भाईचारे को बढ़ावा देना चाहिए।

अंततः अहिंसा कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल की सबसे बड़ी पहचान है। हिंसा भय पैदा कर सकती है, लेकिन विश्वास नहीं; वह विनाश कर सकती है, लेकिन स्थायी विकास नहीं। मानवता का भविष्य युद्ध के मैदानों में नहीं, बल्कि शांति, सहयोग और सद्भाव के वातावरण में सुरक्षित है। दुनिया के देशों को हथियारों की प्रतिस्पर्धा छोड़कर मानव कल्याण की प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। हमें यह समझना होगा कि दूसरों को दुःख देकर स्वयं सुखी नहीं रहा जा सकता। जीना है तो जीने दो, सुखी रहना है तो दूसरों को सुख दो। यही अहिंसा का संदेश है और यही विश्व शांति का सबसे मजबूत आधार है। हम चाहते है कि हमारा जीवन हमसे नही ले। तो हम दूसरों का जीवन लेने से बचे,अपितु दुसरो की प्राण रक्षा भी करे।हम किसी को नही मारते यह भी अहिंसा ही है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

जहरीली हवा का फेफड़ों से लिवर तक हमला, फैटी लिवर का भी खतरा



वायु प्रदूषण को अब तक सांस और फेफड़ों की बीमारियों से जोड़कर देखा जाता रहा है, लेकिन वैज्ञानिक शोधों में इसके प्रभाव का दायरा शरीर के दूसरे महत्वपूर्ण अंगों तक पहुंचता दिखाई दे रहा है। हवा में मौजूद बेहद महीन प्रदूषक कण अब लिवर की सेहत के लिए भी चिंता का विषय बन रहे हैं। हालिया अध्ययनों में प्रदूषण और फैटी लिवर की बीमारी के बीच संबंध सामने आया है।

दरअसल, प्रदूषित हवा में PM2.5 और PM10 जैसे सूक्ष्म कण मौजूद होते हैं। PM10 का आकार 10 माइक्रोमीटर या उससे कम, जबकि PM2.5 का आकार 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम होता है। सांस के जरिए ये कण फेफड़ों में पहुंचते हैं। PM2.5 के कुछ बेहद छोटे कण फेफड़ों की आंतरिक परत को पार कर रक्त प्रवाह तक पहुंच सकते हैं। इसके बाद प्रदूषकों और उनसे पैदा होने वाली जैविक प्रतिक्रियाओं का असर शरीर के दूसरे अंगों पर भी पड़ सकता है।

लिवर पर इसके संभावित प्रभाव की एक प्रमुख वजह ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और इंफ्लेमेशन यानी सूजन है। प्रदूषण के संपर्क में आने से शरीर में फ्री रेडिकल्स बढ़ सकते हैं। इससे कोशिकाओं को नुकसान पहुंचने और सूजन संबंधी प्रक्रियाएं सक्रिय होने की आशंका रहती है। लंबे समय तक ऐसी स्थिति बने रहने पर लिवर की कार्यप्रणाली और फैट मेटाबॉलिज्म प्रभावित हो सकता है।

वर्ष 2025 में प्रकाशित एक मेटा-एनालिसिस में लगभग 4.95 करोड़ लोगों से जुड़े 12 अध्ययनों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें PM2.5 के स्तर में प्रत्येक 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की वृद्धि के साथ नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज का अधिक जोखिम पाया गया। PM10 के संपर्क के साथ भी ऐसा संबंध सामने आया।हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि प्रदूषित हवा में रहने वाले हर व्यक्ति को फैटी लिवर हो जाएगा। मोटापा, डायबिटीज, इंसुलिन रेजिस्टेंस, बढ़ा हुआ ट्राइग्लिसराइड्स और असंतुलित खानपान भी इसके प्रमुख जोखिम कारक हैं। विशेषज्ञों के अनुसार प्रदूषण से बचाव के लिए खराब वायु गुणवत्ता के समय बाहर निकलना सीमित करना, जरूरत पड़ने पर अच्छी गुणवत्ता वाला N95 मास्क इस्तेमाल करना और संतुलित जीवनशैली अपनाना महत्वपूर्ण है। लिवर से संबंधित परेशानी या जोखिम होने पर चिकित्सकीय सलाह से जांच कराना भी जरूरी है।

वैज्ञानिक शोधों में प्रदूषण और लिवर की बीमारी के बीच संबंध के संकेत मिले हैं, लेकिन इसे सीधा कारण साबित करने के लिए अभी और शोध की आवश्यकता है।

निशाना

किसी से खार खाएगा यक़ीनन



रामकिशोर नाविक

किसी से खार खाएगा यक़ीनन
तू खुद से हार जायेगा यक़ीनन
ये काली रात भी रुक न सकेगी
कोई भिनुसार लायेगा यक़ीनन
भले ही आख़िरी लम्हों में आये
तुझे भी प्यार आयेगा यक़ीनन
मेरी आँखों से रिसता खून है ये
मेरा हर शे र भायेगा यक़ीनन
अदाकारी सिखाई ज़िंदगी ने
जगह क़िरदार पायेगा यक़ीनन
ग़ज़ल मुझसे हमेंशा बोलती है
नशा मँहफिल में छायेगा यक़ीनन
रहूँगा मैं नहीं चर्चा रहेगी
मुझे भी वक़्त गायेगा यक़ीनन

टेक्नो अपडेट

देश का पहला AI पुलिस स्टेशन, शिकायत से चार्जशीट तक तकनीक संभालेगी सभी काम

अब पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने से लेकर जांच रिपोर्ट और चार्जशीट तैयार करने तक के काम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी AI की मदद मिलने जा रही है। भारत में पुलिसिंग व्यवस्था को तकनीक से जोड़ने की दिशा में तेलंगाना एक नई पहल करने जा रहा है। हैदराबाद के पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन को देश के पहले AI आधारित पुलिस स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां दिसंबर 2026 में पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए जाने की तैयारी है।



नवभारत टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस परियोजना का उद्देश्य पुलिस के कामकाज को तेज, व्यवस्थित और आम नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाना है। इसके तहत थाने की विभिन्न प्रक्रियाओं में AI तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इनमें शिकायत दर्ज करना, केस डायरी तैयार करना, जांच रिपोर्ट बनाना और चार्जशीट तैयार करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इस परियोजना की तैयारियों का जायजा हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर सज्जनार ने पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन का निरीक्षण करके लिया। रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर में पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद की ओर से पायलट प्रोजेक्ट के तहत इसकी शुरुआत की जानी है। इस पुलिस स्टेशन में एक महत्वपूर्ण सुविधा SETUtu कियोस्क के रूप में उपलब्ध कराई गई है। इसकी मदद से नागरिक लगभग 10 भाषाओं में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। खास बात यह है कि यदि शिकायतकर्ता स्थानीय भाषा नहीं जानता, तो AI सिस्टम उसकी भाषा को स्थानीय भाषा में अनुवाद करके पुलिस अधिकारियों तक शिकायत पहुंचाने में मदद करता है। इससे भाषा की बाधा कम होगी और शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया आसान बनेगी।

AI तकनीक के इस्तेमाल से पुलिसकर्मियों को दस्तावेज तैयार करने और सूचनाओं को व्यवस्थित करने में भी सहायता मिलने की उम्मीद है। हालांकि, जांच की जिम्मेदारी, तथ्यों का सत्यापन और कानूनी निर्णय पुलिस अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में ही रहेंगे। AI की भूमिका सहायक तकनीक के रूप में होगी। वहीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपनाने के मामले में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की ग्लोबल AI वाइब्रेंसी रिपोर्ट में भारत को तीसरा स्थान दिया गया है। अब देखना होगा कि ढ्ढ की मदद से पुलिस की कार्यप्रणाली में कितनी तेजी आती है और आम नागरिकों को शिकायत एवं न्याय प्रक्रिया में कितना लाभ मिलता है।

वायरल कंटेंट

मिट्टी से दोबारा जुड़ने का अवसर और छठ पर घर पहुंचने का जुनून, 19 घंटे में 1100 KM ड्राइव

छठ महापर्व की आस्था और परिवार से मिलने की चाहत इंसान से कितना लंबा सफर तय करा सकती है, इसकी एक दिलचस्प तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। बेंगलुरु में रहने वाले एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, जिन्हें लोग 'कॉरपोरेट वाला' के नाम से जानते हैं, ने छठ पूजा अपने परिवार के साथ बिहार स्थित अपने गृह नगर में मनाने का फैसला किया। इसके लिए उन्होंने अपनी स्कॉर्पियो-ह्न निकाली और करीब 2100 किलोमीटर लंबे रोड ट्रिप पर निकल पड़े।



इस सफर का वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसमें यात्रा के रास्ते, हाईवे के नजारे, गाड़ी चलाने का अनुभव और पूरे सफर का खर्च भी बताया गया है। यात्रा की शुरुआत सुबह ठीक चार बजे बेंगलुरु से हुई। बाणशंकरी और हेब्बाल जैसे व्यस्त इलाकों से निकलकर उन्होंने हाईवे का रास्ता पकड़ा। इसके बाद उनकी गाड़ी कर्नाटक से आंध्र प्रदेश और फिर तेलंगाना होते हुए आगे बढ़ी। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर इलाके में दूर-दूर तक फैले खेत और घूमती पवन चक्कियां सफर के खूबसूरत नजारों में शामिल रहीं।

घर पहुंचने की उत्सुकता के बीच उन्होंने पहले दिन करीब 19 घंटे तक ड्राइविंग की और लगभग 1100 किलोमीटर की दूरी तय करके नागपुर पहुंचे। यहां उन्होंने रात में रुककर आराम किया। इस रोड ट्रिप की एक खास बात इसका बजट भी रहा। इन्फ्लुएंसर के मुताबिक, बेंगलुरु से नागपुर तक पहुंचने में करीब 10 हजार रुपये का ईंधन खर्च हुआ। वहीं, रास्ते में खाने-पीने और नाश्ते पर लगभग 2500 से 3000 रुपये खर्च हुए। यात्रा के दौरान 30 से अधिक टोल प्लाजा पड़े। हालांकि, उन्होंने पहले से 2000 रुपये का सालाना टोल पास बनवा रखा था, इसलिए अतिरिक्त टोल भुगतान सीमित रहा।

उन्होंने रास्ते की परिस्थितियों को लेकर यात्रियों को सावधानी बरतने की सलाह भी दी। उनके अनुसार, हैदराबाद से नागपुर के बीच हाईवे के कुछ हिस्से रात में सुनसान रहते हैं। कई जगह रोशनी और होटल की सुविधाएं भी सीमित मिलती हैं। इसलिए रात में लंबी दूरी तय करने के बजाय पहले से ठहरने की जगह तय करना बेहतर है। उन्होंने हैदराबाद में रुककर सुबह आगे की यात्रा शुरू करने का सुझाव दिया।

2100 किलोमीटर का सफर, सड़क के लंबे रास्ते और यात्रा का खर्च–इन सबके बीच इस कहानी का सबसे अहम पहलू है अपनों के साथ छठ मनाने की चाहत।

20 दिन से दम तोड़ रही 108 एंबुलेंस, 220 गांवों की सांसें अटकीं

एक वाहन के भरोसे पूरा ब्लॉक, गंभीर मरीजों को एक से दो घंटे करना पड़ रहा इंतजार, निजी वाहन पर खर्च करने पड़ रहे 2500 रुपए

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा की 108 एंबुलेंस सेवा बदहाली का शिकार है। यहां का एक एंबुलेंस वाहन (क्रमांक स्क्क04 ।ह्र 1344) पिछले 20 दिनों से तकनीकी खराबी के कारण बंद पड़ा है। पहिए जाम होने से वाहन चलने की स्थिति में नहीं है। नतीजतन 220 से अधिक गांवों वाले ब्लॉक की आपातकालीन स्वास्थ्य व्यवस्था अब सिर्फ एक एंबुलेंस के भरोसे है। इसका सीधा असर गरीब और जरूरतमंद मरीजों पर पड़ रहा है।

108 उपलब्ध नहीं होने पर गंभीर मरीजों और दुर्घटना में घायलों को निजी वाहनों से अस्पताल



पहुंचाना पड़ रहा है। तेंदूखेड़ा से दमोह या जबलपुर रेफर होने पर परिजनों को 2000 से 2500 रुपए तक खर्च करने पड़ रहे हैं। कई बार एंबुलेंस के लिए एक से दो घंटे इंतजार करना पड़ता है। खराब वाहन पहले दमोह मार्ग स्थित घनश्याम ढाबे के पास खड़ा था, जिसे टोचन कर तारादेही थाने के सामने खड़ा कर दिया गया। यहां उसे करीब एक सप्ताह हो चुका है, लेकिन सुधार नहीं हुआ। कर्मचारियों द्वारा सूचना देने के बावजूद वैकल्पिक वाहन भी उपलब्ध नहीं कराया गया। तारादेही, सर्रा, तेजगढ़ और झलौन सहित कई क्षेत्रों में स्थायी 108 सुविधा नहीं है। क्षेत्रवासियों ने तत्काल दूसरी एंबुलेंस उपलब्ध कराने और खराब वाहन दुरुस्त कराने की मांग की है।

एंबुलेंस के इंतजार में वनरक्षक की मौत ने खड़े किए सवाल

बीते 4 नवंबर को तारादेही वन परिक्षेत्र में पदस्थ वनरक्षक पंकज सांख्य को गंभीर हालत में तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था। परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार, उन्हें जबलपुर रेफर करने के लिए करीब तीन घंटे तक एंबुलेंस का इंतजार करना पड़ा। बाद में जबलपुर में उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय पर एंबुलेंस उपलब्ध हो जाती तो उन्हें बेहतर उपचार के लिए जल्द पहुंचाया जा सकता था। इस घटना के बाद क्षेत्र की आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं। 108 एंबुलेंस के जिला मैनेजर नीलेश के अनुसार, वाहन के पहिए जाम होने के कारण उसमें सुधार कार्य कराया जाना है। इसी वजह से वाहन को टोचन कर तारादेही थाने के सामने खड़ा करवाया गया है। दूसरी ओर, क्षेत्रवासियों का कहना है कि 220 से अधिक गांवों की जरूरतों के लिए एक एंबुलेंस पर्याप्त नहीं है। तारादेही, सर्रा, तेजगढ़ और झलौन के उप स्वास्थ्य केंद्रों पर भी 108 की स्थायी सुविधा नहीं है।

देवास टीआई हत्याकांड: फरार आरोपी पार्टेंद्र जायसवाल का कोर्ट में सरेंडर

सात साल पहले भी हो चुका है गिरफ्तार

देवास। दोपहर मेट्रो

खातेगांव थाना प्रभारी हत्याकांड में लंबे समय से फरार चल रहे एक और आरोपित पार्टेंद्र जायसवाल ने आखिरकार कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। वह वारदात को अंजाम देने के बाद से ही पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था।

गौरतलब है कि इस सनसनीखेज हत्याकांड में पुलिस पहले ही तेजी से कार्रवाई करते हुए सात अन्य आरोपितों मनीष जायसवाल, राहुल जायसवाल, केराम सिंह, विजय राव, गजेंद्र रावत, धीरज और भूपेंद्र राणा को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं, इस मामले से जुड़े



एक अन्य आरोपित मोहिन जायसवाल की मौत हो चुकी है। पार्टेंद्र के सरेंडर के बाद पुलिस अब इस केस में आगे की कानूनी कार्रवाई और पूछताछ की तैयारी कर रही है।

न्यूज विंडो

स्वास्थ्य जागरूकता की पहल: एक्यूप्रेशर शिविर से मिलेगी सेहत की सीख



नरसिंहपुर। समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और जनसेवा के उद्देश्य से समय सिंधु महिला मंडल द्वारा कंदेली जैन मंदिर स्थित विद्यासागर भवन में एक्यूप्रेशर स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मंगलाचरण के साथ हुई। आयोजन में अतिथि के रूप में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. बृजेंद्र जैन, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. नवनीत जैन और आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. एम.एम. जैन उपस्थित रहे। महिला मंडल की ओर से अतिथियों का पौधा भेंट कर एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। समाज अध्यक्ष प्रदीप जैन ने स्वास्थ्य संबंधी आयोजनों को समाजहित में महत्वपूर्ण पहल बताया। मंडल अध्यक्ष रंजना नायक, सचिव साधना डबल्या और कोषाध्यक्ष भावना जैन सहित महिला मंडल एवं बंधु मंडल के सदस्यों ने आयोजन में सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम में टी.आर. जैन, गुल्लू भैया, शरद जैन और विनोद नायक सहित समाज के गणमान्यजन मौजूद रहे। मंच संचालन मनीष डबल्या ने किया। शिविर का उद्देश्य लोगों को एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति की जानकारी देकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है।

हत्या के बाद सील शराब दुकानों के ताले खुले बिक्री का पैसा सीधे सरकारी खाते में जाएगा



हरदा। खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी की हत्या के मामले के बाद 2 नवंबर से सील की गई लाइसेंसी पाटेंद्र जायसवाल की तीनों शराब दुकानें शुक्रवार से फिर शुरू हो गईं। हालांकि, अब इन दुकानों का संचालन आबकारी विभाग करेगा और बिक्री से मिलने वाली पूरी राशि सीधे शासन के खाते में जमा होगी। जानकारी के अनुसार, हरदा रोड टिमरनी, सोडलपुर रोड टिमरनी और रहटगांव स्थित इन दुकानों को आबकारी आयुक्त के निर्देश पर बंद कराया गया था। कलेक्टर ने 12 नवंबर को तीनों दुकानों के लाइसेंस निरस्त कर दिए। इसके बाद 13 नवंबर से संचालन की जिम्मेदारी आबकारी विभाग को सौंप दी गई। विभाग सुबह 8:30 से रात 11 बजे तक दुकानें संचालित करेगा। जिला आबकारी अधिकारी सुनील भोजने के मुताबिक, स्टाफ की कमी के बावजूद राजस्व को ध्यान में रखते हुए संचालन शुरू किया गया है।

लाइसेंस निरस्त होने के बाद आबकारी विभाग ने संभाली तीनों दुकानों की कमान, सुबह 8:30 से रात 11 बजे तक होगा संचालन

वार्ड-8 में बस स्टैंड से मंडी मार्ग तक निर्माण पर रहवासियों ने उठाए सवाल

सड़क की सेंटर लाइन पर छिड़ा विवाद, कहीं कम तो कहीं ज्यादा चौड़ाई का आरोप

सीएमओ से की नापजोख और जांच की मांग, उपयंत्री बोले- दोनों तरफ समान चौड़ाई में बनेगी सड़क

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 8 में बस स्टैंड से मंडी की ओर बन रही सड़क का निर्माण विवादों में घिर गया है। दमोह-जबलपुर मार्ग पर चल रहे निर्माण कार्य में सेंटर लाइन से दोनों ओर समान चौड़ाई नहीं रखने का आरोप लगाते हुए रहवासियों ने आपत्ति दर्ज कराई है। उनका कहना है कि सड़क के एक तरफ कम और दूसरी तरफ अधिक चौड़ाई रखी जा रही है। इससे भविष्य में सड़क की सीमा को लेकर विवाद हो सकता है।

इस संबंध में वार्डवासियों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को लिखित आवेदन सौंपकर मौके पर निरीक्षण और तकनीकी अमले से विधिवत नापजोख कराने की मांग की है। रहवासियों ने कहा कि निर्माण स्वीकृत नक्शे और निर्धारित चौड़ाई के अनुसार होना चाहिए। जांच पूरी होने तक विवादित हिस्से में काम रोकने का भी अनुरोध किया गया है। आवेदन की प्रतिलिपि कलेक्टर दमोह, एसडीएम तेंदूखेड़ा और नगर परिषद अध्यक्ष को भी भेजी गई है। आवेदन देने वालों में ऋषभ साहू, विक्रम सिंह ठाकुर, हेमराज, विपिन जैन, अखिलेश, रोहित साईं, प्रहलाद और शिवा सोनी सहित अन्य रहवासी शामिल हैं।



नापजोख के बाद ही आगे बढ़े निर्माण कार्य

वार्डवासियों ने आवेदन में मांग की है कि सड़क निर्माण की स्वीकृत चौड़ाई, स्वीकृत नक्शे और निर्धारित सेंटर लाइन के आधार पर दोनों तरफ की चौड़ाई की जांच कराई जाए। उनका कहना है कि निर्माण में किसी एक तरफ कम और दूसरी तरफ अधिक जगह छोड़ना भविष्य में विवाद की वजह बन सकता है। इसलिए तकनीकी अधिकारियों की मौजूदगी में मौके पर माप कराई जाए और उसके बाद ही निर्माण आगे बढ़ाया जाए। रहवासियों ने स्पष्ट किया कि सड़क सभी के लिए समान मापदंडों के अनुसार बननी चाहिए, ताकि किसी मकान के सामने कम-ज्यादा चौड़ाई को लेकर भेदभाव या विवाद की स्थिति न बने।

उपयंत्री बोले- ठेकेदार को दिए समान माप के निर्देश

नगर परिषद के उपयंत्री भूपेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि रहवासियों का शिकायती आवेदन प्राप्त हुआ है। इसके बाद नगर परिषद अध्यक्ष ने भी संबंधित ठेकेदार को विधिवत मेजरमेंट कर दोनों तरफ एक समान चौड़ाई में सड़क बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरी सड़क का निर्माण एक समान माप के अनुसार ही कराया जाएगा। किसी भी रहवासी के मकान के सामने सड़क की चौड़ाई कम या ज्यादा नहीं रखी जाएगी। अब देखना होगा कि मौके पर नापजोख और निर्माण की निगरानी के बाद सड़क का काम निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पूरा होता है या नहीं।

अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसों में आधा दर्जन लोग घायल, कुछ जबलपुर रेफर

शाम 4 बजे से शुरू हुआ हादसों का सिलसिला देर रात तक चला

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को अलग-अलग स्थानों पर हुई दुर्घटनाओं में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। शाम करीब 4 बजे शुरू हुआ हादसों का दौर देर रात तक जारी रहा। एक के बाद एक घायलों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने से अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सभी घायलों को स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया, जबकि अन्य का उपचार तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र में किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार हादसों में बहेरिया माल निवासी मायाबाई पति धर्मेंद्र अहिरवार (32), नारायणपुरा निवासी सुनील यादव पिता गोपाल (21) और अभिषेक राय पिता पजू (20), कछार धनगौर निवासी राजकुमार गौड़ पिता राम सिंह (35), खगोरिया निवासी दयाराम गौड़ पिता डाल सिंह (60), पाटन निवासी ओमप्रकाश पिता डाल सिंह (55) और सांगा निवासी सुखराम अहिरवार पिता टिक्कू (42) घायल हुए हैं।

लगातार हादसों से बढ़ी चिंता

क्षेत्र में एक ही दिन में अलग-अलग स्थानों पर हुई दुर्घटनाओं ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। देर रात तक घायलों के अस्पताल पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। पुलिस द्वारा सभी घटनाओं की जांच की जा रही है। दुर्घटनाएं किन परिस्थितियों में हुई और इनके पीछे क्या कारण रहे, इसका पता लगाया जा रहा है।

रायसेन में मिला 65 लाख साल पुराना विशालकाय हाथी का जीवाश्म, मगरमच्छ समझकर ग्रामीण कर रहे पूजा

नर्मदा किनारे मिट्टी में दबा मिला दांतों वाला विशाल जबड़ा, विशेषज्ञों ने मैमथ या स्टेगोडॉन का अवशेष होने की जताई संभावना; प्रशासन ने सुरक्षा के लिए लगाया 24 घंटे का पहरा

रायसेन। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की नर्मदा घाटी एक बार फिर प्रागैतिहासिक इतिहास को लेकर चर्चा में है। जिले के देवरी क्षेत्र के पतई गांव में नर्मदा नदी के किनारे मिट्टी में दबा दांतों वाला विशालकाय जबड़ा मिला है। जीवाश्म विशेषज्ञों ने इसे करीब 65 लाख वर्ष पुराना विलुप्त प्राचीन हाथी मैमथ या स्टेगोडॉन का अवशेष बताया है।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार को नदी में स्नान करने पहुंचे कुछ बच्चे किनारे की मिट्टी खोद रहे थे। इसी दौरान उन्हें सफेद दांतों वाली विशाल संरचना दिखाई दी। इसका करीब डेढ़ से दो फीट हिस्सा जमीन के ऊपर नजर आ रहा है। सूचना मिलने पर जबलपुर के गवर्नमेंट साइंस कॉलेज के भूविज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त प्रमुख एवं जीवाश्म



विशेषज्ञ डॉ. वीके खन्ना ने मौके पर पहुंचकर जांच की। दांतों की बनावट के आधार पर उन्होंने इसे प्राचीन हाथी का जीवाश्म होने की संभावना जताई। इधर, ग्रामीण इसे मां नर्मदा की सवारी मगरमच्छ का अवशेष मानकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। एसडीएम अंकित कुमार जैन के अनुसार, जीवाश्म की सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग कराकर 24 घंटे पहरा लगाया गया है। इसे स्थल से हटाया नहीं जाएगा और विशेषज्ञ मौके पर ही अध्ययन करेंगे। गौरतलब है कि पतई के सिद्धनाथ घाट पर वर्ष 2011 में डायनासोर के अंडे और कंकाल के अवशेष भी मिले थे। नर्मदा घाटी से प्राचीन दरियाई घोड़े, शुतुरमुर्ग और आदिमानव के पूर्वजों से जुड़े प्रमाण भी मिलते रहे हैं।

भूसे की दिशा पर भिड़े एक ही परिवार के दो पक्ष, एक की मौत

खूनी संघर्ष से गांव में तनाव, पुलिस जांच में जुटी

रायसेन। दोपहर मेट्रो

जिले की सिलवानी तहसील के ग्राम बीकलपुर में गुरुवार को धान की थ्रेसिंग के दौरान भूसा उड़ाने की दिशा और थ्रेसर मशीन को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी खूनी संघर्ष में बदल गई। दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से जमकर मारपीट हुई। घटना में गणेशाराम रघुवंशी की मौत हो गई, जबकि सुरेंद्र रघुवंशी गंभीर रूप से घायल हो गए।जानकारी के अनुसार, खेत में थ्रेसिंग के दौरान भूसा उड़ने की दिशा को लेकर विवाद शुरू हुआ था। मारपीट में गंभीर घायल गणेशाराम को परिजन सिलवानी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं सुरेंद्र को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में रायसेन जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। घटना की सूचना पर एसडीओपी आशुतोष त्यागी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है।

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक हमीदिया चिकित्सालय, भोपाल

Phone: 0755-4050450, Email-hamidiahospital.govt@gmail.com

क्रमॉक /16589/हमी. चिकि./ भोपाल/26-27 भोपाल, दिनॉक 12/11/2026

द्वितीय ई-निविदा आमंत्रण

गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय हमीदिया चिकित्सालय एवं क्षय चिकित्सालय भोपाल में पायलेट प्रोजेक्ट PACS के माध्यम से रेडियोडायग्नोसिस विभाग की विभिन्न रिपोर्ट हेतु द्वितीय ई-निविदा आमंत्रित 2026-27 ई-पोर्टल www.mptenders.gov.in पर दिनॉक 12/11/2026 से उपलब्ध है।

निविदा में परिवर्तन संबंधी जानकारी भी ई-पोर्टल www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है, जिसका पृथक से प्रकाशन नही किया जायेगा।

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
हमीदिया चिकित्सालय, भोपाल

G-21387/26

कार्यालय थाना प्रभारी थाना शाहजहाँनाबाद भोपाल

क्रमांक/था.प्र./शाह.बाद//भोपाल-मर्ग क्र. 38/2026 दिनांक 02/11/2026

जाहिर सूचना



सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना शाहजहाँनाबाद भोपाल के मर्ग क्रमांक 38/2026 में मृतक गणेश पिता गुलाब चन्द्र उम्र 50 साल निवासी वार्ड नम्बर 27, हरदा, रंग सांवला, चेहरा लम्बा, आंखे सामान्य, दाढी बडी हुई, मृतक के संबन्ध मे किसी को कोई जानकारी हो या इसके वह परिजन हो तो थाना शाहजहाँनाबाद भोपाल मे आकर संपर्क करें अथवा दूरभाष नं. 9479990579 जांचकर्ता उनि शेषनाथ सिंह मो.नं. 8770822547 पर तत्काल संपर्क करे।

थाना प्रभारी
थाना शाहजहाँनाबाद, भोपाल

G-21399/26

मेट्रो एंकर

गूढ़ा गांव से 10 नवंबर की शाम लापता हुआ था 10 वर्षीय बालक

72 घंटे बाद भी नहीं मिला मासूम अभिषेक, चौथे दिन भी पुलिस के हाथ खाली

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम गूढ़ा से लापता 10 वर्षीय अभिषेक अहिरवार का 72 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं मिल सका है। चौथे दिन भी पुलिस, परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश में जुटे रहे, लेकिन निराशा ही हाथ लगी। 10 नवंबर की शाम करीब 5 बजे लोकमन अहिरवार का बेटा अभिषेक घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने पहले आसपास तलाश की, लेकिन देर रात तक पता नहीं चलने पर तेजगढ़ थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी अर्चना अहीर और थाना प्रभारी अरविंद सिंह के नेतृत्व में पुलिस की कई टीमें तलाश में जुटी हैं। तेजगढ़ सहित अन्य थानों



की पुलिस गांव-गांव दबिश दे रही है। जंगल, नदी-नाले, कुएं, तालाब और आसपास के गांवों में खोजबीन की जा रही है। बस स्टैंड और सार्वजनिक स्थानों पर भी जानकारी पहुंचाई गई है। अभिषेक के लापता होने से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव के लोग भी बच्चे की तलाश में जुटे हैं। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि कोई भी जानकारी मिलने पर तत्काल सूचना दें।

मां-पिता हर राहगीर से पूछ रहे बेटे का पता

अभिषेक के लापता होने के बाद से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में मातम जैसा माहौल है। मां बार-बार दरवाजे की ओर देखती है कि शायद उसका बेटा लौट आए। पिता लोकमन अहिरवार हर आने-जाने वाले से बेटे के बारे में पूछ रहे हैं। परिजनों के अनुसार चार दिन से घर में ठीक से चूल्हा तक नहीं जला है। रिश्तेदारों और ग्रामीणों की टोलियां खेतों, जंगलों और आसपास के इलाकों में लगातार तलाश कर रही हैं। परिवार की एक ही उम्मीद है कि अभिषेक सकुशल घर लौट आए।

सोशल मीडिया पर भी तलाश

अभिषेक की तलाश अब सोशल मीडिया के माध्यम से भी तेज कर दी गई है। उसकी तस्वीर और गुमशुदगी से जुड़ी जानकारी विभिन्न प्लेटफॉर्म पर साझा की जा रही है, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक सूचना पहुंच सके। परिजनों ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि बच्चे के संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। उन्होंने जानकारी देने वाले को इनाम देने की भी घोषणा की है। पुलिस ने भी लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि सूचना तेजगढ़ थाने या नजदीकी पुलिस थाने में दी जा सकती है।

दीवारें और बर्तन तक हिले कसरावद से झिरनिया तक लोगों में दहशत, सोशल मीडिया पर भी मची हलचल

खरगोन की धरती कांपी, सुबह 9:16 बजे जिलेभर में महसूस हुए 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके, घरों से बाहर निकले लोग

खरगोन। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में शनिवार सुबह भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। सुबह करीब 9:16 बजे जिला मुख्यालय सहित जिले के कई इलाकों में धरती कांपने लगी। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.1 मापी गई। कुछ सेकंड तक महसूस हुए कंपन के दौरान लोगों को ऐसा लगा, जैसे जमीन के नीचे से कोई भारी वाहन गुजर रहा हो। घबराए लोग घरों और दुकानों से बाहर निकल आए।

जेतापुर निवासी जगदीश भावसार ने बताया कि कंपन के कारण घर की दीवारें और बर्तन हिलने लगे। वहीं मास्टर कॉलोनी के रोहित भावसार के अनुसार, पूरा घर थरथराकर हिल गया। जिला मुख्यालय की अलग-अलग कॉलोनियों में भी लोगों ने झटके महसूस किए। खास बात यह रही कि भूकंप का असर केवल शहर तक सीमित नहीं रहा। कसरावद, झिरनिया, चैनपुर, खलबुजुर्ग और गोगांव



सहित ग्रामीण अंचलों में भी कंपन महसूस किया गया। कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर भूकंप के संदेश तेजी से वायरल होने लगे। खरगोन एसडीएम सत्येंद्र बैरवा ने बताया कि कई स्थानों से भूकंप के झटकों की सूचना मिली है। संबंधित भूकंप मापी केंद्र से जानकारी जुटाई जा रही है।

घरों की दीवारें हिलीं, बर्तनों में होने लगी हलचल

सुबह अचानक धरती में कंपन महसूस होते ही लोग घबरा गए। जेतापुर निवासी जगदीश भावसार ने बताया कि भूकंप के झटकों से घर की दीवारें और बर्तन हिलने लगे। मास्टर कॉलोनी निवासी रोहित भावसार ने बताया कि कंपन इतना तेज था कि पूरा घर थरथराने लगा। कई लोगों को शुरुआत में लगा कि जमीन के नीचे से कोई भारी वाहन गुजर रहा है। कुछ ही पलों में आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए और एक-दूसरे से भूकंप महसूस होने की पुष्टि करने लगे। सोशल मीडिया पर भी भूकंप की सूचनाएं तेजी से साझा होने लगीं।

शहर से गांवों तक महसूस हुआ कंपन

भूकंप के झटकों का असर खरगोन जिला मुख्यालय के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी महसूस किया गया। कसरावद, झिरनिया, चैनपुर, खलबुजुर्ग और गोगांव सहित कई इलाकों के लोगों ने जमीन में कंपन होने की जानकारी दी। सुबह का समय होने के कारण कई लोग घरों में मौजूद थे। अचानक हुए कंपन से लोग बाहर निकल आए। खरगोन एसडीएम सत्येंद्र बैरवा ने बताया कि जिले के विभिन्न स्थानों से भूकंप के झटकों की सूचना प्राप्त हुई है। संबंधित भूकंप मापी केंद्र से इसकी आधिकारिक जानकारी ली जा रही है।

अवैध शराब पर सागर पुलिस का शिकंजा, गांव-गांव पहुंचेगी पुलिस

सागर। जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, भंडारण और परिवहन पर रोक लगाने के लिए पुलिस ने जीरो टॉलरेंस अभियान शुरू किया है। पुलिस अधीक्षक संजीव सिंहा ने सभी एसडीओपी और थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। गांवों में थाना और बीट प्रभारियों के संपर्क नंबर सार्वजनिक स्थानों पर लिखवाए जा रहे हैं। बीट प्रभारियों को नियमित भ्रमण के साथ जरूरत पड़ने पर रात में गांवों में रुकने के निर्देश दिए गए हैं। सीमावर्ती मार्गों पर सघन वाहन चेकिंग होगी। पुलिस ने नागरिकों से अवैध शराब की सूचना देने की अपील की है।

बीट प्रभारियों को रात्रि भ्रमण और सीमावर्ती मार्गों पर सघन चेकिंग के निर्देश

न्यूज विंडो

कलेक्टर के निरीक्षण में खुली व्यवस्था की पोल, आंगनबाड़ी समूह का भुगतान अटका



अनूपपुर। ग्राम बेलिया छोट में कलेक्टर रत्नाकर झा के निरीक्षण के दौरान सरकारी व्यवस्थाओं के साथ कर्मचारियों और स्व-सहायता समूह की आर्थिक परेशानियों का मुद्दा भी सामने आया। कलेक्टर ने शासकीय भवन, उचित मूल्य दुकान और आंगनबाड़ी केंद्र का जायजा लेकर व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों से संवाद किया और कविताएं-कहानियां सुनकर पोषण आहार की उपलब्धता की जानकारी भी ली। इसी बीच पता चला कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए भोजन उपलब्ध कराने वाले स्व-सहायता समूह का कई महीनों से भुगतान लंबित है। वहीं, सोसायटी में कार्यरत कर्मचारियों को भी लंबे समय से वेतन नहीं मिला है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बच्चों को नियमित भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी निभाने वाले समूह को समय पर भुगतान क्यों नहीं किया जा रहा और कर्मचारियों के वेतन में देरी के लिए जिम्मेदार कौन है? निरीक्षण के दौरान सामने आई इन समस्याओं के समाधान की दरकार है, ताकि योजनाओं का संचालन प्रभावित न हो और कर्मचारियों व समूहों को उनका बकाया भुगतान मिल सके।

शराब दुकानों पर एसडीएम-पुलिस और आबकारी विभाग ने एक साथ की छापेमारी



सागर। जिले में अवैध शराब की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर जिले के सभी विकासखंडों में एसडीएम, पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीमों ने निरीक्षण अभियान चलाया। सागर शहर के सुभाषनगर, काकागंज और कनेरादेव सहित विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त दल ने पहुंचकर शराब दुकानों, उनके ठेका परिसरों और अवैध शराब कारोबार में संलिप्त होने के संदेह वाले व्यक्तियों के घरों का निरीक्षण किया। इस दौरान संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाकर आवश्यक कार्रवाई की गई। इसी क्रम में एसडीएम रहली के नेतृत्व में भी विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण किया गया। जिले की अन्य तहसीलों में भी संयुक्त टीमों ने कार्रवाई की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अवैध शराब की बिक्री और अन्य गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए लगातार निगरानी रखी जाए। साथ ही संयुक्त दल नियमित कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाया जा सके।

कलेक्टर-एसपी के सामने गूंजे किसानों के मुद्दे, सूखाग्रस्त घोषित और मुआवजे की मांग



धार। डही में 15 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्यपाल मंगुभाई पटेल के प्रस्तावित कार्यक्रम से पहले कुक्षी पहुंचे कलेक्टर राजीव रंजन मीना और एसपी सचिन शर्मा के सामने जयस सहित किसान संगठनों ने क्षेत्र की समस्याएं उठाईं। कुक्षी सर्किट हाउस में हुई चर्चा में किसानों ने नई गाइडलाइन के अनुसार उचित मुआवजा दिलाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सिंचाई परियोजना के विद्युतीकरण का काम कर रही लक्ष्मी इंजीनियरिंग और मेगा इंजीनियरिंग कंपनियों द्वारा प्रभावित किसानों को नई गाइडलाइन के अनुसार मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। इसके अलावा कुक्षी तहसील सहित पूरे जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग रखी। किसानों ने रबी फसल की सिंचाई के लिए जोबट परियोजना और ओंकारेश्वर बांध की चतुर्थ चरण की नहर से पानी छोड़ने तथा 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही आदिवासी क्षेत्र में कृषि महाविद्यालय खोलने, कुक्षी की यातायात व्यवस्था सुधारने और गायत्री सरोवर की स्थिति बेहतर बनाने का मुद्दा भी उठाया। इस दौरान जयस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविराज बघेल सहित किसान प्रतिनिधि मौजूद रहे।

एनएच-552 पर भीषण हादसे में राहुल शर्मा और यश गर्ग ने गंवाई जान

बैंक मैनेजर बनने की खुशी में पार्टी देने जा रहे दोस्तों की कार कंटेनर में घुसी, दो की मौत

तीन दोस्त घायल, दो की हालत गंभीर, कोटा रेफर

श्योपुर। दोपहर मेट्रो

बैंक मैनेजर बनने की खुशी में दोस्तों को पार्टी देने निकले युवकों की कार शुक्रवार रात दांतरदा बायपास पर धान से भरे कंटेनर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में आईडीबीआई बैंक के नवनियुक्त मैनेजर राहुल शर्मा और उनके दोस्त यश गर्ग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार तीन अन्य युवक घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें कोटा रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को राहुल शर्मा को आईडीबीआई बैंक में मैनेजर नियुक्त किए जाने का आदेश मिला था। इस खुशी में दोस्तों ने पार्टी मांगी, जिसके बाद सभी कार से सवाई माधोपुर की ओर निकले थे। इसी दौरान एनएच-552 पर दांतरदा बायपास के पास तेज रफ्तार कार कंटेनर से टकरा गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। टीआई सतीश दुबे के अनुसार, हादसे में दो युवकों की मौत हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए हैं। हादसे के बाद दोनों परिवारों में मातम पसरा है।



जश्न के लिए सवाई माधोपुर की ओर गए थे

राहुल शर्मा को बैंक मैनेजर बनाए जाने की खबर से परिवार और दोस्तों में खुशी का माहौल था। दोस्तों ने इस उपलब्धि पर पार्टी मांगी और सभी जश्न मनाने के लिए सवाई माधोपुर की ओर रवाना हुए। किसी ने नहीं सोचा था कि यह सफर दो परिवारों की खुशियां छीन लेगा। हादसे में राहुल और उनके दोस्त यश गर्ग की मौत की खबर मिलते ही परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद दोनों युवकों का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान परिवार और परिचितों की आंखें नम रहीं।

दांतरदा बायपास बना हादसों का खतरा, सुरक्षा पर भी सवाल

एनएच-552 के दांतरदा बायपास पर लगातार हो रहे सड़क हादसों ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय स्तर पर इस मार्ग पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें लोगों की जान गई और कई गंभीर रूप से घायल हुए। बताया जा रहा है कि हादसों को रोकने के लिए स्पीड ब्रेकर सहित अन्य सुरक्षा इंतजामों की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। इसके बावजूद अब तक प्रभावी कदम नहीं उठाए जाने से दुर्घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है।

अचलेश्वर मंदिर में हलवाई विवाद खत्म, अब दो रसोइयों के हाथों बनेगी अन्नकूट की प्रसादी

10 हजार लोगों के लिए जीवन और विचित्र हलवाई संभालेंगे जिम्मेदारी



ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

अचलेश्वर महादेव मंदिर में अन्नकूट महोत्सव की प्रसादी तैयार करने को लेकर न्यास पदाधिकारियों के बीच चल रहा विवाद आखिरकार सुलझ गया है। अब 16 नवंबर को होने वाले आयोजन के लिए दो हलवाइयों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जीवन हलवाई 10 हजार सदस्यों और अतिथियों के लिए प्रसादी तैयार करेंगे, जबकि विचित्र हलवाई डिब्बों में वितरित होने वाली प्रसादी बनाएंगे।

इस बार प्रसादी वितरण दो स्थानों पर होगा। न्यास सदस्यों को तीन कूपन दिए जाएंगे, जिनमें दो बैठकर भोजन करने और एक डिब्बा लेने के लिए होगा। वहीं, 100 रुपए के प्रसादी डिब्बे की कीमत पर न्यास सदस्य संतोष सिंह राठौड़ ने आपत्ति जताई है।

दूसरी ओर, मंदिर के 35 सेवादारों को दो महीने से वेतन नहीं मिला है। दीपावली भी उन्हें बिना वेतन के मनानी पड़ी। न्यास अध्यक्ष के अनुसार, बैंक खाता प्रशासन की निगरानी में होने से भुगतान प्रक्रिया में दिक्कत आ रही है।

धार-पीथमपुर-इंदौर रेल सेवा से पहले मेमू रेक की मांग, मिलेगा रोजगार



धार। दोपहर मेट्रो

इंदौर से धार वाया पीथमपुर प्रस्तावित रेल सेवा शुरू होने से पहले ही इसके सुचारु संचालन की तैयारियां तेज हो गई हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद सावित्री ठाकुर ने इस मार्ग पर नियमित यात्री ट्रेनों के संचालन के लिए पर्याप्त संख्या में मेमू (मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) रेक उपलब्ध कराने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री को पत्र लिखकर आग्रह किया है।

सांसद ने पत्र में बताया कि पीथमपुर प्रदेश का प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है, जहां धार जिले से प्रतिदिन हजारों श्रमिक रोजगार के लिए आते-जाते हैं। रेल सेवा शुरू होने से श्रमिकों के साथ विद्यार्थियों और आम यात्रियों को भी सस्ती एवं सुविधाजनक परिवहन सुविधा मिलेगी। उन्होंने चिंता जताई कि वर्तमान में रतलाम रेल मंडल के पास इस मार्ग पर संचालन के लिए पर्याप्त मेमू रेक उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में रेल सेवा नियमित रखने के लिए पहले से व्यवस्था जरूरी है। सांसद ने जनसुविधा और औद्योगिक क्षेत्र की जरूरतों को देखते हुए प्राथमिकता से मेमू रेक उपलब्ध कराने की मांग की है।

द्वारिकाधीश मंदिर में आज सजेगा आस्था का अन्नकूट, 5 हजार श्रद्धालु चखेंगे प्रसादी

सुंदरकांड पाठ से होगी शुरुआत, भगवान द्वारिकाधीश सहित सभी सिद्ध विग्रहों का होगा विशेष पूजन और मनोहारी श्रृंगार, मंदिर परिसर को सजाने की तैयारियां पूरी

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

शहर के प्राचीन द्वारिकाधीश मंदिर में शनिवार, 14 नवंबर को अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं के लिए अन्नकूट प्रसादी की व्यवस्था की गई है। महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर में आकर्षक सजावट की जा रही है और समिति द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

महोत्सव का शुभारंभ सुंदरकांड पाठ के साथ होगा। इसके बाद मंदिर में विराजित भगवान द्वारिकाधीश, माता रुक्मणी और माता कुब्जा सहित अन्य सिद्ध विग्रहों का विशेष पूजन किया जाएगा। भगवान का आकर्षक श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके साथ



ही पवनपुत्र हनुमान और आदिशक्ति का भी मनोहारी श्रृंगार किया जाएगा। द्वारिकाधीश मंदिर समिति के अध्यक्ष पारस जैन और महामंत्री जगदीश मित्तल ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को उत्सव का भक्तिमय वातावरण मिल सके। आयोजन में बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने की संभावना है। समिति की ओर से प्रसादी वितरण और श्रद्धालुओं की व्यवस्था के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। अन्नकूट महोत्सव के दौरान भगवान को विभिन्न व्यंजनों का भोग अर्पित कर श्रद्धालुओं में प्रसादी वितरित की जाएगी।

मेट्रो एंकर

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान से आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता से हो रहा निराकरण

जनता की समस्याओं के निराकरण हेतु शासन संवेदनशील- राज्यमंत्री जायसवाल

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण और पात्र हितग्राहियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से नगर परिषद डूमरकछार में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शिविर आयोजित किया गया। इसमें 139 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 91 का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया, जबकि शेष आवेदनों पर कार्रवाई जारी है।

शिविर को संबोधित करते हुए प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशीलता से काम कर रही है। अभियान के माध्यम से वंचित पात्र हितग्राहियों को



प्राथमिकता से योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर स्थानीय उद्योगों में रोजगार उपलब्ध कराने और समाज को नशामुक्त बनाने की अपील भी की। कलेक्टर रत्नाकर झा ने अधिकारियों को आवेदनों का समयबद्ध निराकरण करने तथा शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया। शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी सहित जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

युवाओं को स्थानीय उद्योगों में रोजगार दिलाने पर जोर

राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि अनूपपुर जिले में विभिन्न उद्योगों की स्थापना की जा रही है। इनमें स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए उन्हें आवश्यक कौशल और प्रशिक्षण देने की दिशा में शासन एवं प्रशासन विशेष प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि जिले का आर्थिक और औद्योगिक विकास तभी गति पकड़ेगा, जब स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने नशामुक्त समाज बनाने की अपील करते हुए कहा कि नशा समाज की जड़ों को कमजोर करता है। वर्ष 2029 तक नशामुक्त भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। कलेक्टर रत्नाकर झा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का निराकरण सरल, सहज और समयसीमा में किया जाए। उन्होंने विद्यालय परिसरों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाने के साथ व्यापक स्तर पर पौधरोपण कराने को कहा। जिला और अनुभाग स्तर के अधिकारियों को शासकीय कार्यालयों का नियमित निरीक्षण करने तथा मूलभूत सुविधाओं और कार्यप्रणाली की समीक्षा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा, शिक्षा की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर प्राथमिकता से अमल करने पर भी जोर दिया।

89 रन पर ढेर हुई टीम इंडिया, गंभीर का फूटा गुस्सा

कोहली-रोहित समेत अन्य बल्लेबाजों की लगाई क्लास

माउंट माउंगानुई, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में भारतीय टीम की शर्मनाक हार ने उसकी बल्लेबाजी की कमजोरियों को एक बार फिर उजागर कर दिया है। 333 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम महज 89 रन पर ढेर हो गई और मुकाबला 244 रन से गंवा दिया। इस करारी शिकस्त के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर का गुस्सा भी सामने आ गया। उन्होंने विराट कोहली, रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर समेत पूरी बल्लेबाजी इकाई को कठघरे में खड़ा करते हुए साफ कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी गेंद को खेलने लायक नहीं मानकर उससे बचा नहीं जा सकता। गंभीर ने बल्लेबाजों को अपनी जिम्मेदारी समझने और मुश्किल परिस्थितियों में मुकाबला करने की नसीहत दी। गौतम गंभीर ने बल्लेबाजों का बचाव करने के बजाय उनकी गलतियों पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कोई ऐसी गेंद नहीं होती, जिसे खेला ही न जा सके। बल्लेबाजों को शुरुआती दस ओवर निकालने की कोशिश करनी चाहिए थी। गंभीर ने कहा कि मैट हेनरी ने अच्छी जगह गेंदबाजी की, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों को उसका सामना करने में सक्षम होना चाहिए था। जब टीम 90 रन के आसपास सिमट जाती है तो चिंता होना स्वाभाविक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ये परिस्थितियां विश्व कप के करीब की हैं और टीम को अभी से ऐसी चुनौतियों के लिए तैयार होना होगा।



लगातार विकेट गिरना बनी बड़ी चिंता

गंभीर ने दूसरे वनडे का उदाहरण देकर भी बल्लेबाजों को आईना दिखाया। उस मुकाबले में भारत ने डकवर्थ-लुईस नियम के तहत जीत जरूर हासिल की थी, लेकिन 111 रन तक टीम के सात विकेट गिर चुके थे। यानी जीत के बावजूद बल्लेबाजी की कमजोरियां पहले ही दिखाई दे रही थीं। कोच ने कहा कि टीम को मानसिक और कौशल के स्तर पर ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। मुश्किल समय में विकेट बचाकर 35-40 रन बनाना भी उपयोगी हो सकता है।

टीम इंडिया का सबसे बड़ा दुश्मन बना मैट हेनरी, 2019 का जख्म फिर हरा

रोहित-कोहली को एक ही ओवर में किया ढेर

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए न्यूजीलैंड का एक गेंदबाज बार-बार ऐसा तूफान बनकर सामने आ रहा है, जिसके सामने बड़े-बड़े बल्लेबाजों का किला भी ढह जाता है। नाम है मैट हेनरी! साल 2019 में मैनचेस्टर में भारतीय टीम के वर्ल्ड कप जीतने का सपना तोड़ने वाला यही कीवी गेंदबाज 13 नवंबर 2026 को माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर एक बार फिर टीम इंडिया के लिए काल बन गया। इस बार उसके निशाने पर रोहित शर्मा, विराट कोहली से लेकर भारतीय टीम का पूरा बल्लेबाजी क्रम था। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथे वनडे में मैट हेनरी ने ऐसी घातक गेंदबाजी की कि भारतीय बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। 334 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया महज 89 रनों पर ढेर हो गई और 244 रनों से मुकाबला गंवा बैठी। रनों के लिहाज से यह वनडे क्रिकेट में भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार रही।



पहली गेंद पर रोहित, पांचवीं पर विराट और छठी पर अय्यर का शिकार

मैट हेनरी के इस स्पेल की सबसे खतरनाक तस्वीर वह ओवर रहा, जिसमें उन्होंने भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ ही तोड़ दी। ओवर की पहली गेंद पर रोहित शर्मा को पवेलियन भेजा, पांचवीं गेंद पर विराट कोहली का विकेट हासिल किया और छठी गेंद पर श्रेयस अय्यर को भी चलता कर दिया। यानी एक ही ओवर में भारत के तीन बड़े बल्लेबाज आउट! इसके बाद भारतीय टीम मुकाबले में वापसी करने की स्थिति में ही नहीं रह गई। हेनरी ने पूरे मैच में 9.4 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 2 मेडन के साथ महज 27 रन खर्च किए और 6 विकेट अपने नाम किए। यह उनके वनडे करियर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन रहा। हेनरी का कहर सिर्फ भारतीय टॉप ऑर्डर तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने मिडिल ऑर्डर और निचले क्रम को भी संभलने का मौका नहीं दिया। ईशान किशन को 27 रनों पर आउट कर भारत को 61 रन के स्कोर पर छठा झटका दिया। यह उनका चौथा विकेट था। इसके बाद कुलदीप यादव को आउट कर पांचवां और गुरनूर बरार को पवेलियन भेजकर छठा विकेट पूरा किया। भारतीय बल्लेबाजी की हालत ऐसी थी कि कोई भी बल्लेबाज कीवी गेंदबाजों के सामने टिकने का दम नहीं दिखा सका।

2019 में भी हेनरी ने तोड़ा था भारत का वर्ल्ड कप सपना

मैट हेनरी का भारतीय टीम के खिलाफ यह कहर पहली बार नहीं दिखा है। जुलाई 2019 में मैनचेस्टर में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भी यही गेंदबाज भारत के सपनों का सबसे बड़ा दुश्मन बना था। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 239/8 रन बनाए थे। भारत के सामने 240 रनों का लक्ष्य था। उस विश्व कप में रोहित शर्मा पांच शतक जड़ चुके थे और विराट कोहली भी शानदार फॉर्म में थे। ऐसे में भारतीय फैंस को उम्मीद थी कि टीम आसानी से फाइनल में पहुंच जाएगी। लेकिन मैट हेनरी ने सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उन्होंने दूसरे ओवर में रोहित शर्मा को सिर्फ 1 रन पर आउट किया। चौथे ओवर में केएल राहुल भी 1 रन बनाकर चलते बने। इसके बाद दिनेश कार्तिक को 6 रन पर पवेलियन भेज दिया। हेनरी के तीन बड़े झटकों ने भारतीय टीम को शुरुआती संकट में धकेल दिया। भारत के चार विकेट महज 24 रन पर गिर चुके थे। उस सेमीफाइनल में भारतीय टीम 18 रनों से हार गई थी। विराट कोहली का बतौर कप्तान वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेलने का सपना टूट गया। महेंद्र सिंह धोनी का वह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी साबित हुआ। धोनी ने अपनी आखिरी अंतरराष्ट्रीय पारी में 72 गेंदों पर 50 रन बनाए, लेकिन मार्टिन गुप्टिल के शानदार थ्रो पर रन आउट हो गए। रवींद्र जडेजा ने 77 रनों की जुझारू पारी खेलकर भारत को जीत के करीब पहुंचाने की कोशिश की, मगर टीम मंजिल तक नहीं पहुंच सकी।

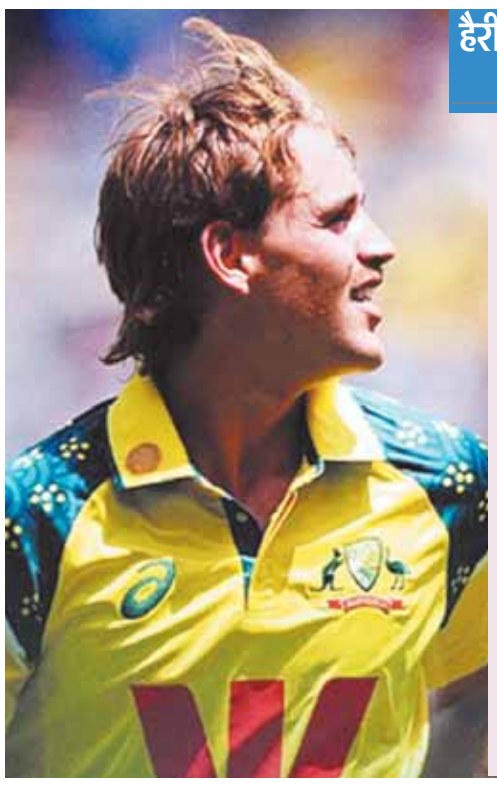
डेब्यू में ही महली बियर्डमैन का तूफान

7.4 ओवर में 24 रन देकर झटके 6 विकेट इंग्लैंड की बल्लेबाजी को किया तहस-नहस

पर्थ, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट को एक नया तेज गेंदबाजी सितारा मिल गया है। 21 वर्षीय महली बियर्डमैन ने अपने वनडे डेब्यू मुकाबले में ऐसी घातक गेंदबाजी की कि इंग्लैंड की मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप पूरी तरह बिखर गई। पर्थ स्टेडियम में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में बियर्डमैन ने महज 7.4 ओवर में 24 रन देकर 6 विकेट झटक लिए। उनके इस ऐतिहासिक प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड की पूरी टीम 131 रन पर सिमट गई।

महली बियर्डमैन वनडे डेब्यू पर छह विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज टोनी डोडेमेड का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 1988 में श्रीलंका के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में 21 रन देकर पांच विकेट हासिल किए थे। इतना ही नहीं, बियर्डमैन दुनिया के उन चुनिंदा पांच गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने अपने वनडे डेब्यू पर छह या उससे अधिक विकेट लिए हैं। इस सूची में सबसे शानदार प्रदर्शन का रिकॉर्ड स्कॉटलैंड के चार्ली कैसल के नाम है। उन्होंने 2024 में ओमान के खिलाफ 21 रन देकर सात विकेट हासिल किए थे।



हैरी ब्रूक से जो रूट तक, दिग्गजों को किया पवेलियन रवाना

ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। माइकल हसी के हाथों डेब्यू कैप हासिल करने वाले बियर्डमैन ने शुरुआत से ही इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया। उन्होंने अपने दूसरे ओवर में हैरी ब्रूक को विकेट के पीछे कैच आउट कराया। इसके अगले ही ओवर में जो रूट भी विकेट के पीछे कैच देकर पवेलियन लौट गए। बियर्डमैन का कहर यहीं नहीं थमा। उन्होंने अपने चौथे ओवर में जॉर्डन कॉक्स और सैम करन को आउट कर इंग्लैंड की मुश्किलें बढ़ा दीं। इसके बाद उन्होंने लियाम डॉसन को बैकवर्ड पॉइंट पर कैच आउट कराकर पांच विकेट पूरे किए। इंग्लैंड का स्कोर उस समय 63 रन पर सात विकेट हो चुका था। इंग्लैंड की पारी में विल जैक्स और गस एटकिंसन ने नौवें विकेट के लिए 37 रन जोड़कर कुछ संघर्ष जरूर किया। हालांकि, स्पेंसर जॉनसन ने जैक्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। इसके बाद बियर्डमैन ने वापसी करते हुए जोफा आर्चर को जैक एडवर्ड्स के हाथों कैच आउट कराया और अपने छह विकेट पूरे किए। इस तरह 21 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अपने पहले ही वनडे मुकाबले को यादगार बना दिया।

सैंडपेपर-गेट पर मचा बवाल!



पैट के बचाव में उतरे लैंगर बोले- कप्तान ने सामने आकर बिल्कुल सही किया

पर्थ। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में 2018 का चर्चित सैंडपेपर-गेट विवाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा %सब्र% के सामने आने के बाद केप टाउन बॉल टैंपरिंग कांड पर नए सवाल उठने लगे हैं। विवाद इतना बढ़ा कि मौजूदा टेस्ट कप्तान पैट कमिंस को मीडिया के सामने आकर अपनी सफाई देनी पड़ी। अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कमिंस के इस कदम का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि संकट के समय कप्तान का सामने आकर जिम्मेदारी लेना ही मजबूत नेतृत्व की पहचान है। लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पैट कमिंस ने साफ कहा कि उन्हें गेंद पर सैंडपेपर इस्तेमाल करने की योजना की पहले से कोई जानकारी नहीं थी और न ही वह इस साजिश में शामिल थे। उन्होंने उस्मान ख्वाजा के इस दावे को भी पूरी तरह खारिज किया कि केप टाउन में जो कुछ हो रहा था, उसकी जानकारी ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूरे खेमे को थी।

हैरी केन का ऐतिहासिक धमाका!

126वां मैच खेलकर रचा इतिहास क्रोएशिया को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची टीम

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के दिग्गज स्ट्राइकर हैरी केन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि बड़े मुकाबलों में उनका जलवा अलग ही होता है। ऐतिहासिक 126वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने उतरे केन ने अपने 92वें गोल से इस यादगार दिन को और खास बना दिया। उनकी शानदार कप्तानी और निर्णायक गोल की बदौलत इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 2-1 से हराकर यूईएफए नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। हैरी केन इंग्लैंड की पुरुष फुटबॉल टीम के लिए सबसे ज्यादा मुकाबले खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 126वां मैच खेलकर पूर्व रिकॉर्डधारक पीटर शिल्टन को पीछे छोड़ दिया। इतना ही नहीं, अपने ऐतिहासिक मुकाबले में उन्होंने 92वां अंतरराष्ट्रीय गोल भी दाग दिया। वेम्बली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मॉर्गन रोजर्स ने पहले हाफ में गोल करके इंग्लैंड को बढ़त दिलाई। हालांकि, दूसरे हाफ में क्रोएशिया के पेटार सुसिक ने गोल दागकर मुकाबले को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद 64वें मिनट में इंग्लैंड को पेनल्टी मिली और केन ने बिना कोई गलती किए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। यही गोल इंग्लैंड की जीत का निर्णायक साबित हुआ।



वेम्बली में केन को मिला ऐतिहासिक सम्मान

मैच शुरू होने से पहले ही हैरी केन आकर्षण का सबसे बड़ा केंद्र रहे। उन्होंने दर्शकों के सामने अपनी बैलन डीओर ट्रॉफी प्रदर्शित की, जिसके सम्मान में वेम्बली में मौजूद दर्शक खड़े होकर तालियां बजाने लगे। पूर्व रिकॉर्डधारक पीटर शिल्टन और प्रिंस ऑफ वेल्स ने उन्हें विशेष यादगार शर्ट भेंट की। वहीं क्रोएशिया के दिग्गज फुटबॉलर और पूर्व बैलन डीओर विजेता लुका मोड्रिक ने भी उन्हें खास उपहार दिया।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

शिल्पा शेट्टी लगाएंगी प्यार का प्रेशर कुकर!

सिचुएशनशिप, घोस्टिंग और ब्रेकअप के बीच खुलेगा रिश्तों का कच्चा चिट्ठा

आज की पीढ़ी के प्यार का अंदाज बदल चुका है। कभी सिचुएशनशिप तो कभी घोस्टिंग, बेंचिंग और ब्रेडक्रंबिंग जैसे नए-नए शब्द रिश्तों की पहचान बनते जा रहे हैं। लेकिन इन आधुनिक रिश्तों में प्यार कितना है और कन्फ्यूजन कितना, इसका जवाब अब अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी खोजती नजर आएंगी। कलर्स चैनल जल्द ही अपना नया शो प्यार का प्रेशर कुकर लेकर आ रहा है, जिसे शिल्पा शेट्टी होस्ट करेंगी। यह शो आज के युवाओं के रिश्तों, कमिटमेंट की उलझनों और बदलती डेटिंग संस्कृति पर आधारित होगा। इसमें ऐसे कपल्स हिस्सा लेंगे, जो अपने रिश्ते को लेकर किसी न किसी मोड़ पर फंसे हुए हैं। कोई शादी और कमिटमेंट का फैसला नहीं कर पा रहा, तो कोई सालों से रिश्ते में रहने के बावजूद भविष्य को लेकर असमंजस में है।



प्यार में कन्फ्यूजन या कमिटमेंट से डर?

शिल्पा शेट्टी का कहना है कि आज रिश्तों की भाषा पहले से काफी बदल गई है। लोग नए-नए शब्दों के जरिए अपने रिश्तों को परिभाषित तो कर रहे हैं, लेकिन असल में सामने वाला क्या चाहता है, यह समझना मुश्किल होता जा रहा है। शिल्पा के मुताबिक, रिश्ते में एक ऐसा मोड़ जरूर आता है, जब दोनों लोगों को खुलकर बातचीत करनी पड़ती है और जरूरी सवालों के जवाब देने होते हैं। इसी सोच के साथ इस शो का कॉन्सेप्ट तैयार किया गया है।

पहली बार माता-पिता भी खोलेंगे रिश्तों की पोल

इस शो की सबसे खास बात यह है कि इसमें सिर्फ प्रेमी जोड़ों की कहानी नहीं होगी, बल्कि उनके माता-पिता भी अहम भूमिका निभाएंगे। शिल्पा ने इसे भारत का पहला ऐसा रिलेशनशिप शो बताया है, जिसमें माता-पिता कपल्स को उनके रिश्ते का आईना दिखाएंगे। अक्सर माता-पिता अपने बच्चों के रिश्तों को लेकर सवाल तो रखते हैं, लेकिन खुलकर पूछ नहीं पाते। इस शो में उन्हें भी अपनी बात रखने और बच्चों से सीधे सवाल करने का मौका मिलेगा। शो के दौरान सभी प्रतिभागी एक ही घर में रहेंगे। उन्हें उन मुद्दों पर खुलकर बात करनी होगी, जिन्हें वे लंबे समय से टालते आ रहे हैं। शो के प्रोमो में पुराने जमाने के प्यार और आज की डेटिंग संस्कृति के बीच का अंतर भी मजेदार अंदाज में दिखाया गया है।



मेट्रो बाजार

भारत का वस्तु निर्यात अक्टूबर में 45 प्रतिशत बढ़कर ऑल टाइम हाई 49.47 अरब डॉलर पर रहा

मुंबई । भारत का वस्तु निर्यात अक्टूबर में सालाना आधार पर 45 प्रतिशत बढ़कर ऑल-टाइम हाई 49.47 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह जानकारी सरकार की ओर से जारी डेटा में दी गई। सरकारी डेटा के मुताबिक, इस दौरान वस्तु आयात सालाना आधार पर 16.5 प्रतिशत बढ़कर 89.35 अरब डॉलर हो गया है। हालांकि, आयात से निर्यात कम होने के कारण भारत का वस्तु व्यापार घाटा अक्टूबर में 39.88 अरब डॉलर रहा है। यह सितंबर 2026 के 30.21 अरब डॉलर और पिछले साल अक्टूबर के 33 अरब डॉलर से ज्यादा है।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के मुताबिक, भारत का अक्टूबर में कुल निर्यात 89.9 अरब डॉलर रहा है। सर्विसेज निर्यात करीब 40.51 अरब डॉलर रहा है। अग्रवाल ने कहा कि अक्टूबर में माल का निर्यात 49.47 अरब डॉलर के नए मासिक ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों और निर्यात गंतव्यों में वृद्धि देखने को मिली। उन्होंने बताया कि इस महीने भारत के शीर्ष 50 निर्यात गंतव्यों में से 43 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। स्पेन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, हांगकांग, मलेशिया, घाना, तुर्की, ओमान, यूके और मैक्सिको जैसे बाजारों में निर्यात में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। अग्रवाल के अनुसार, चीन, जापान और अमेरिका को होने वाले निर्यात में 39 प्रतिशत से 48 प्रतिशत के बीच वृद्धि हुई।

चीनी की कीमतों पर सरकार का प्रहार! नवंबर के लिए 13 लाख टन बिक्री कोटा किया तय

नई दिल्ली। देश में चीनी की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण और घरेलू बाजार में पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने नवंबर की दूसरी छमाही के लिए घरेलू बाजार में चीनी बिक्री का कोटा 13 लाख मीट्रिक टन निर्धारित किया है। सरकार का मकसद बाजार में चीनी की उपलब्धता बनाए रखना और कीमतों में कृत्रिम तेजी पैदा करने वाली गतिविधियों पर लगाम लगाना है।



विभाग ने जारी आधिकारिक बयान में बताया कि चीनी मिलों को नवंबर में 30 नवंबर तक उत्पादित चीनी को निर्धारित बिक्री कोटे के अतिरिक्त बेचने की अनुमति भी दी गई है। यह सुविधा उन मिलों को मिलेगी, जिन्होंने अक्टूबर या नवंबर में गन्ने की पेराई शुरू की है। सरकार ने सितंबर 2026 से चीनी बिक्री के पुराने मासिक कोटा सिस्टम को बदलकर 15 दिन का नया सिस्टम लागू किया है। इसका उद्देश्य चीनी की कीमतों में अचानक उतार-चढ़ाव, कम कीमत पर बिक्री और महीने के अंत में स्टॉक जमा करने जैसी गतिविधियों पर रोक लगाना है। नए नियम के तहत प्रत्येक चीनी मिल को आवंटित 15 दिन के कोटे का कम से कम 40 प्रतिशत हिस्सा पहले सप्ताह में बेचना अनिवार्य है। बाकी मात्रा दूसरे सप्ताह में बेची जा सकती है। सरकार को उम्मीद है कि इससे बाजार में चीनी की नियमित आपूर्ति बनी रहेगी। एक समय देश के कई खुदरा बाजारों में चीनी की कीमत 70 रुपये प्रति किलो से अधिक पहुंच गई थी। हालांकि, सरकार के ताजा आंकड़ों के अनुसार 12 नवंबर तक प्रमुख शहरों में चीनी की खुदरा कीमत 61 से 66 रुपये प्रति किलो के बीच रही। देश में औसत खुदरा कीमत 60.53 रुपये प्रति किलो दर्ज की गई।

दिल्ली क्राइम सीजन 3 को 1 साल पूरा, रसिका दुग्गल बोलीं- ये शो मेरे दिल के बेहद करीब है

बॉलीवुड एक्ट्रेस रसिका दुग्गल की क्राइम-ड्रामा वेब सीरीज %दिल्ली क्राइम सीजन-3% ने अपनी रिलीज के एक साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेत्री ने सीरीज को लेकर बताया कि यह उनके दिल के बेहद करीब है। उन्होंने कहा, दिल्ली क्राइम के जरिए मुझे ये जानकर बहुत अच्छा लगा कि कहानी हमारी असल जिंदगी से जुड़ी है। अगर कहानियों को सच्चाई और ईमानदारी से दिखाया जाए, तो वो देश की सरहदें पार करके दुनियाभर के लोगों से जुड़ सकती हैं। शो को जो प्यार और सम्मान मिला है, जिसमें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड भी शामिल है, वो मेरे लिए बहुत हौसला बढ़ाने वाला रहा है। सीजन 3 के एक साल बाद, मैं बहुत खुश और आभारी हूं कि मैं तीनों सीजन का हिस्सा रही और मैंने नीति सिंह को हर सीजन में आगे बढ़ते हुए देखा। उन्होंने आगे कहा, ÷मुझे दिल्ली क्राइम की टीम के साथ काम करके बहुत अच्छा लगता है। ये सभी बहुत खास और अच्छे लोग हैं। मुझे उम्मीद है कि हम आगे भी साथ में काम करते रहेंगे। वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 में रसिका दुग्गल ने पुलिस अधिकारी नीति सिंह का दमदार किरदार निभाया था। उनके इस सीजन के सफर में एक कठिन और पेचीदा मामले के साथ-साथ उनके निजी जीवन के संघर्ष और ट्रॉमा को भी बहुत खूबसूरती से दिखाया गया था। यह सीजन मुख्य रूप से मानव तस्करी और महिला/बाल तस्करी के एक बड़े और खतरनाक रैकेट पर आधारित है। कहानी की शुरुआत असम में एक ट्रक और उससे जुड़े मामलों की छानबीन से होती है, जो बाद में दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करती है। इसमें हुमा कुरैशी के अभिनय को भी काफी सराहा गया है।



बेल्जियम : सोनियन जंगल में पतझड़, हर साल यहां आते हैं 20 लाख पर्यटक



ब्रसल्स। तस्वीर बेल्जियम के ब्रसल्स स्थित सोनियन जंगल की है, यहां सुनहरे ओक के पत्तों से ढकी पगडंडियां हर वर्ष अक्टूबर और नवंबर में इस जंगल को यूरोप के सबसे खूबसूरत ऑटम-डेस्टिनेशन में बदल देती हैं। इस जंगल को देखने हर साल करीब 20 लाख पर्यटक आते हैं, जिनमें स्थानीय वॉकर्स, जॉगर्स, साइकिलिस्ट और नेचर फोटोग्राफर बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। इस साल और ज्यादा लोगों के आने की उम्मीद है, क्योंकि पिछले वर्ष मौसम अधिक सुहावना रहा और जंगल के पत्तों में रंग परिवर्तन सामान्य से अधिक चमकीला दिखाई दे रहा है। करीब 9,000 हेक्टेयर में फैला यह जंगल, यूनेस्को विश्व धरोहर दर्जा प्राप्त प्राचीन जंगल और यूरोप के सबसे संरक्षित प्राकृतिक इकोसिस्टम में गिना जाता है।

दिल्ली पुलिस ने रामलीला मैदान में रैलियों और प्रदर्शनों के लिए नई एसओपी का ड्राफ्ट तैयार किया, अधिकतम 50 हजार लोगों को अनुमति मिलेगी

नियम सख्त: रामलीला मैदान में अब मनमानी नहीं चलेगी!

नई दिल्ली। एजेंसी

दिल्ली के रामलीला मैदान में अब धरना-प्रदर्शन, रैली और जनसभा करना पहले के मुकाबले ज्यादा नियमों के दायरे में आ सकता है। दिल्ली पुलिस ने इन आयोजनों को व्यवस्थित करने के लिए नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का ड्राफ्ट तैयार किया है। इसके तहत मैदान में एक कार्यक्रम में अधिकतम 50 हजार लोगों को ही जुटने की अनुमति देने का प्रस्ताव है। साथ ही, प्रदर्शन और जनसभाएं सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक ही आयोजित की जा सकेंगी। बता दें कि रामलीला मैदान में बीते एक नवंबर को विपक्ष की बड़ी रैली का आयोजन हुआ था।

हर कार्यक्रम के लिए भीड़ की संख्या अलग से तय होगी

ड्राफ्ट के मुताबिक, रामलीला मैदान में किसी भी कार्यक्रम में 50 हजार से ज्यादा लोग शामिल नहीं हो सकेंगे। हालांकि, हर आयोजन में वास्तव में कितने लोगों को अनुमति दी जाएगी, इसका फैसला संबंधित सक्षम अधिकारी करेंगे। इसके लिए कार्यक्रम की प्रकृति, उसमें जुटने वाली संभावित भीड़ और सुरक्षा के इंतजामों को ध्यान में रखा जाएगा।



10 दिन पहले करना होगा आवेदन

नए प्रस्तावित नियमों के तहत आयोजकों को कार्यक्रम की तारीख से कम से कम 10 दिन पहले अनुमति के लिए आवेदन करना होगा। इससे पहले उन्हें नगर निगम (स्थिष्ठ) से यह प्रमाण पत्र लेना होगा कि आयोजन के लिए रामलीला मैदान उपलब्ध है। इसके बाद ही पुलिस से कार्यक्रम की अनुमति मांगी जा सकेगी।

ट्रैफिक-पार्किंग की जिम्मेदारी आयोजकों की

कार्यक्रम के दौरान भीड़ को संभालने के साथ-साथ ट्रैफिक और पार्किंग की व्यवस्था करना भी आयोजकों की जिम्मेदारी होगी। इसके लिए उन्हें पुलिस और ट्रैफिक अधिकारियों के साथ मिलकर योजना बनानी होगी। आने वाले लोगों के लिए उतरने के तय स्थान भी चिन्हित करने होंगे। आयोजकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सड़क, फुटपाथ और आपातकालीन रास्तों पर किसी तरह की रुकावट न आए।

हथियार और प्रतिबंधित सामान पर रोक

सुरक्षा के लिहाज से रामलीला मैदान में हथियार, तलवार, भाले, धारदार वस्तुएं और कानून के तहत प्रतिबंधित सामान ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मैदान के आसपास ड्रोन उड़ाने के लिए भी पहले से मंजूरी लेनी होगी। इसके अलावा आयोजकों को पीने के पानी, मेडिकल सहायता, साफ-सफाई और शौचालय जैसी जरूरी सुविधाओं का इंतजाम करना होगा। कार्यक्रम के बाद कचरे का सही तरीके से निपटारा करना भी उनकी जिम्मेदारी होगी।

जंतर-मंतर के बाद वैकल्पिक प्रदर्शन स्थलों की व्यवस्था

बता दें कि यह कदम दिल्ली पुलिस के अक्टूबर में लिए गए उस फैसले के बाद आया है, जिसमें जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटा दिया गया था। इसके बाद धरना-प्रदर्शन और रैलियों के लिए तीन वैकल्पिक जगहें तय की गई थीं। इनमें रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और सीबीडी मैदान शामिल हैं। अब रामलीला मैदान में होने वाले आयोजनों के लिए अलग स्थक्का ड्राफ्ट मंजूरी के लिए पुलिस मुख्यालय भेज दिया गया है। सक्षम अधिकारियों की जांच और मंजूरी के बाद ही इसे लागू किया जाएगा।

मेटा इंडिया चीफ बोले- हमने 50 लाख आपत्तिजनक कंटेंट हटाए

अपराधी तरीके बदल रहे, उन्हें ट्रैक करने की हमारी भी लिमिट तय है

मुंबई। एजेंसी

मेटा इंडिया हेड अरुण श्रीनिवास का कहना है कि हमने मेटा ने 50 लाख आपत्तिजनक कंटेंट हटाए हैं। लेकिन गलत काम करने वाले लगातार तरीके बदलते हैं। अब ये लोगों को बाहरी वेबसाइट या एप पर ले जाते हैं। वहां होने वाली गतिविधियों को देखने या ट्रैक करने की हमारी क्षमता सीमित है।



उन्होंने आगे कहा कि वॉट्सएप पर बातचीत के साथ खरीदारी, बिल पेमेंट और सरकारी सेवाओं का इस्तेमाल बढ़ाना मेटा की भारत में अगली प्राथमिकता है। एआई लोगों के रोजमर्रा के काम आसान करेगा और छोटे कारोबारियों को ग्राहकों तक पहुंचने में मदद देगा। कंपनी हेड ने कहा कि बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री को लेकर फेसबुक और इंस्टाग्राम की जीरो टॉलरेंस नीति है। वर्ष की पहली छमाही में भारत में दोनों प्लेटफॉर्म से अत्याधिक मात्रा में सामग्री हटाई गई है। इनमें 98 प्रतिशत सामग्री की पहचान एआई आधारित सिस्टम से शिकायत मिलने से पहले ही कर ली गई थी। उन्होंने कहा कि अपराधी लगातार अपने तरीके बदल रहे हैं। पोस्ट पर सख्ती के बाद वे भ्रामक विज्ञापनों के जरिए लोगों को बाहरी वेबसाइट और एप तक पहुंचा रहे हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के साथ साझेदारी की गई है।

सीतापुर में घर के बाहर छप्पर में फंदे से लटके मिले युवक-युवती के शव, छह माह पहले हुई थी शादी

सीतापुर। एजेंसी

रेउसा के अमलोरा गांव में शनिवार सुबह एक युवक और युवती के शव युवक के घर के बाहर बने छप्पर के नीचे अलग-अलग फंदों से लटके मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। जानकारी के अनुसार, अमलोरा गांव निवासी दिलीप (22) पुत्र रामकुमार मिश्र और गांव की ही रुचि (20) पुत्री प्यारे लाल के बीच प्रेम प्रसंग होने की आशंका जताई जा रही है। करीब छह महीने पहले रुचि की शादी हो गई थी। वह करवाचौथ के अवसर पर अपने मायके आई हुई थी। शनिवार सुबह दोनों के शव दिलीप के घर के बाहर बने छप्पर के नीचे अलग-अलग फंदों से लटके मिले।

ग्रामीणों के मुताबिक, दोनों के घरों की दूरी करीब 50 मीटर है। सुबह घटना की जानकारी होते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। हालांकि, दोनों ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। थाना प्रभारी हनुमंत तिवारी ने बताया कि जांच की जा रही है।

न्यूज विंडो

श्रीनगर: कुलगाम हमले में दो नहीं... तीन आतंकी थे शामिल

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के आखरन इलाके में सीआरपीएफ के नाके पर हुए आतंकी हमले की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इसमें कम से कम तीन आतंकी शामिल थे, जिनमें से दो विदेशी नागरिक प्रतीत होते हैं। इस हमले में कुलगाम के स्थानीय आतंकी कमांडर लतीफ अहमद भट का नाम भी प्रमुखता से सामने आ रहा है। सुरक्षाबलों ने फरार आतंकवादियों की धरपकड़ के लिए घेराबंदी और तलाशी अभियान तेज कर दिया है। लगातार तीसरे दिन कुलगाम के दर्जनों गांवों, रिहायशी इलाकों और सेब के बागानों में सर्च ऑपरेशन जारी रहा। आतंकियों का सुराग लगाने के लिए पुलिस ने अब तक जिले भर से 200 से अधिक ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) और संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

तनखैया घोषित होने के बाद झुके आप विधायक, मांगी माफी

अमृतसर। श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से तनखैया घोषित किए गए पायल से आम आदमी पार्टी के विधायक मनविंदर सिंह ग्यासपुरा ने करीब एक महीने बाद अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी है। उन्होंने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज को पत्र लिखकर अपनी गलती स्वीकार की और धार्मिक सजा (तनखाह) भुगतने के लिए समय मांगा। हल्के से टिकट मिलने के बाद माथे खुद को पंथक विवाद से छुटकारा दिलवाने के लिए ग्यासपुरा ने चुनाव से पहले बड़ा दांव खेला है। क्योंकि पहले मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को अकाल तख्त साहिब की ओर से गुरु दोखी करार दिया है और साथ ही सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ भी बेअदबी मामलों को लेकर लोगों में रोष है। ऐसे में चुनाव से पहले धार्मिक सजा की मांग कर ग्यासपुरा ने खुद को इस विवाद से बाहर करने कोशिश की है।

कैथल में दर्दनाक सड़क हादसा तीन युवकों की मौत, चार घायल

कैथल (हरियाणा)

कैथल में सिसमौर नहर के पास शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें गाड़ी का संतुलन बिगड़ने के कारण वाहन सड़क किनारे बनी पुलिया से जा टकराया। इस गंभीर दुर्घटना में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। दुर्घटना का विवरण जानकारी के अनुसार, करोड़ा गांव से कैथल की ओर आ रहे सात युवक दोपहर करीब 12 बजे सिसमौर नहर के पास पहुंचे। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी पुलिया से जा टकराई। इस टक्कर में वाहन में सवार सभी युवक गंभीर रूप से प्रभावित हुए।



मृतकों और घायलों की पहचान दुर्घटना में अजय (29), नवदीप (20) और प्रदीप (32) की दुखद मृत्यु हो गई। वहीं, नरेंद्र, साहिल, गौरव और अर्जुन घायल हो गए। घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस जांच जारी हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया।

धर्मशाला कॉलेज की छात्रा की मौत से सनसनी, मां ने अध्यापिका पर लगाए प्रताड़ना के आरोप

धर्मशाला। एजेंसी

राजकीय डिग्री कॉलेज धर्मशाला की बीए अंतिम वर्ष की छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। छात्रा सकोह के शिव मंदिर नाला के पास मृत मिली। घटना के बाद परिजनों ने कॉलेज की एक अध्यापिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा की मां का दावा है कि अध्यापिका के कथित व्यवहार और कॉलेज में सार्वजनिक रूप से हुई बेइज्जती के कारण उनकी बेटी मानसिक रूप से परेशान थी। मृतका की मां ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि कॉलेज की एक अध्यापिका का उनकी बेटी के प्रति व्यवहार उचित नहीं था। शिकायत के अनुसार, 12 नवंबर को कॉलेज में सबके सामने हुई कथित बेइज्जती के बाद बेटी काफी परेशान हो गई थी। परिजनों ने इस घटनाक्रम को छात्रा की मौत से जोड़ते हुए संबंधित अध्यापिका के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

एक्सप्रेसवे हादसा: अयोध्या से आगरा जा रही मिनी ट्रैवलर बस ट्रक में पीछे से घुसी

आगरा। एजेंसी

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शनिवार तड़के अयोध्या से आगरा जा रही मिनी ट्रैवलर बस आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में बस सवार 13 यात्री घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और यूपीडा की टीम ने घायलों को बस से बाहर निकालकर उपचार के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा भेजा। इनमें तीन यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चालक धीरज पाटिल पुत्र सुरेश निवासी 287 लक्ष्मी नारायण सोसायटी, थाना डिंडौली, सूरत (गुजरात) मिनी ट्रैवलर बस में 13 यात्रियों को लेकर अयोध्या से आगरा जा रहे थे। शनिवार सुबह करीब चार बजे थाना फतेहाबाद क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर 37.100 के पास बस आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में प्रदीप पुत्र किशन, मनोहर पुत्र शिंदे, जनक पुत्र वेन, उमा वेन पत्नी प्रदीप सिंह, पदम वेन पत्नी सुरेंद्र सिंह, उर्वशी वेन पत्नी पलिया, किड्डू कुमारी, कीरत सिंह, पृथ्वी पुत्र वीरेंद्र सिंह, क्रूरूठा पुत्री वीरेंद्र सिंह, बरसा वेन पत्नी मनोहर सिंह, रेणुका वेन पत्नी इंद्र सिंह और हिना वेन पत्नी करनवा घायल हो गए।

मेट्रो एंकर

छठ महापर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए

छठ पर सुरक्षा का अभेद्य घेरा: 450 से अधिक जगहों पर पुलिस तैनात

पटना। दोपहर मेट्रो

लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर नालंदा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। घाटों पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़, यातायात प्रबंधन और जल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है। पूरे जिले में 450 से अधिक चिह्नित स्थलों पर तीन पालियों में दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र पुलिस बल तैनात किए गए हैं। वहीं, 40 स्थानों को अतिसंवेदनशील घोषित कर वहां विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। 16 नवंबर तक प्रमुख छठ घाटों पर एसडीआरएफ, स्थानीय गोताखोर और आपदा मित्रों की टीमें भी मुस्तैद रहेंगी।

450 स्थानों पर तीन पालियों में ड्यूटी

छठ पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने, भीड़ नियंत्रित करने और यातायात सुचारु रखने के लिए जिला प्रशासन ने संयुक्त आदेश जारी किया है। इसके तहत जिले के 450 से अधिक चिह्नित स्थलों पर तीन पालियों में अधिकारियों और पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से 40 स्थानों को अतिसंवेदनशील श्रेणी में रखा है। इन जगहों पर विशेष चौकसी बरतने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्रमुख घाटों पर 16 नवंबर तक आपदा प्रबंधन की टीमें भी तैनात रहेंगी।



(फाइल फोटो)

जिला और अनुमंडल स्तर पर कंट्रोल रूम सक्रिय

पर्व के दौरान किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए बिहारशरीफ नगर निगम परिसर स्थित आईसीसी भवन में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। यहां तीन पालियों में अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा हिलसा और राजगीर अनुमंडल कार्यालयों में भी नियंत्रण कक्ष सक्रिय रहेंगे। इन केंद्रों पर रजिस्टर में अलग-अलग क्षेत्रों से मिलने वाली सूचनाओं और उन पर की गई कार्रवाई का पूरा ब्योरा दर्ज किया जाएगा।

बैरिकेडिंग के बाद ही मिलेगा जाने का रास्ता

नालंदा मोड़ से खंडहर होते हुए बड़गांव जाने वाले रास्ते पर आरबी उच्च विद्यालय के पास बैरिकेडिंग की जाएगी। विद्यालय मैदान में वाहनों की पार्किंग होगी। इसके आगे ह्वेनसांग मेमोरियल मोड़ पर भी बैरिकेडिंग रहेगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी भी वाहन को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच के बाद ही आवाजाही की अनुमति मिलेगी। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित मार्ग और पार्किंग व्यवस्था का पालन करें।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524